स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 1 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 जुलाई 2021 ✦ वर्ष 10 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

"रिश्ता" ऐसा हो जिस पर नाज हो,
कल जितना "भरोसा" था, उतना ही आज हो.....!
"रिश्ता" सिर्फ वो नहीं जो, "गम या खुशी" में साथ दे,
"रिश्ते" तो वो हैं जो हर पल, अपनेपन का एहसास दें.....!

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com

1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)

Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :

Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)

Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 1 ✦ 25 जुलाई 2021 ✦ वर्ष 10

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

सकारात्मक सोच

समाज के विकास, एकजुटता में समाज का नेतृत्व करने वाले लोगों का नजरिया सबसे महत्वपूर्ण है। व्यक्ति यह सोच कर समाज का नेतृत्व देने का प्रयास करता है कि वह समाज को सही दिशा प्रदान करेगा और इसके लिये उसे सम्पूर्णता की सोच रखकर चलना होता है, लेकिन व्यक्ति यह सोचे कि वह अकेला ही सब कुछ कर लेगा अथवा समाज उसका पिछलग्गु रहेगा, तो यह गलत है। व्यक्ति स्वयं को ही ले और यह सोचे कि मेरे हाथ ही या पैर ही या दिमाग ही काम करता है तो यह गलत है, काम उसका संपूर्ण शरीर करता है। ठीक ही उसी तरह समाज का नेतृत्व प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह महिला, पुरुष, बच्चे कोई भी हो सभी के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलेगा तो निश्चित रूप से समाज विकास की राह पर अग्रसर होगा।

एक कहानी है, एक राक्षस था जो गांव के बच्चों को डराता-धमकाता और परेशान करता था। एक दिन एक गडरिया अपने भाईयों से मिलने आया और उसने देखा तो वह बोला, 'तुम लोग राक्षस से डरते क्यों हो।' उसके भाई बेहद डरे हुए थे, उन्होंने जवाब दिया, 'क्या तुमने देखा नहीं कि वह इतना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता।' तब उस गडरिये ने कहा, 'ऐसी बात नहीं है, बल्कि यह सोचो कि वह बड़ा नहीं है और उसे मारा जा सकता है। जब तुम उसे मारोगे तो कोई चूक नहीं होगी।' इस बात ने उसके भाइयों को इतनी हिम्मत दी कि उन्होंने गुलेल से ही राक्षस को मार डाला। कहानी का सार है कि राक्षस वही है, व्यक्ति भी वही है लेकिन उसके नजरिये की सकारात्मक सोच ने हार को जीत में बदल दिया।

साथियों, समाज का स्वरूप भी कुछ इसी तरह का है जिसमें हम सभी को मिल कर समाज में व्याप्त राक्षस रूपी नजरिये को सकारात्मक नजरिये से मारना है। समाज को नेतृत्व देने वाला जो व्यक्ति ईमानदार, मददगार, क्षमतावान एवं अनुभवी होने के साथ-साथ समय दे सकता हो वही व्यक्ति समाज की एकजुटता, उत्थान के साथ संघटन को मजबूती प्रदान कर सकता है। कई बार ऐसा होता है कि बोल-चाल की बातों में काफी आत्मीयता और सहिष्णुता बरतने वाले लोग भी जरा सी बात पर वर्षों की सहजता को खो देते हैं और अपनी सामाजिक पहचान को धूमिल कर देते हैं। अतः हम सभी को सकारात्मक सोच के साथ समाज-हित में एक दूसरे को समझते हुए बिना किसी द्वैष के समाज की एकजुटता के लिए कार्य करेंगे।

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

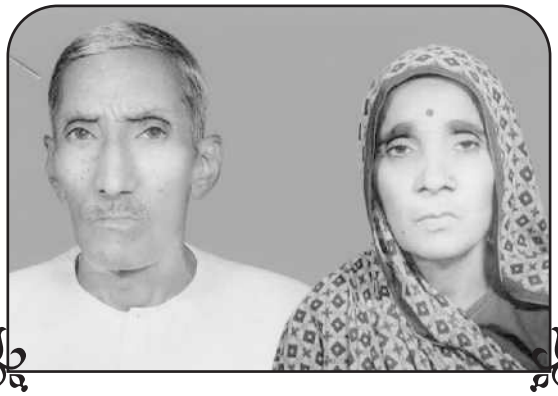

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,

पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी

पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन

पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप

पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

कोरोना जैसी महामारी को हराने का महामंत्र

बन्धुओं, जैसा कि आप सभी मालूम है कि पिछले काफी समय से पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। इस महामारी ने मानो सम्पूर्ण मानवता को खत्म करने का प्रण लिया हुआ है। जहाँ पूरे विश्व में इस महामारी की प्रथम लहर में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रुस जैसे अनेक दिग्गज देशों में विशाल जनहानि हुई वहीं दूसरी लहर में हमारे भारतवर्ष में बहुत अधिक मात्रा में जनहानि होने से पूरे देश में दहशत और गम का माहौल सभी को अपने आगोश में ले रहा था। सभी भारतवासी अपनों को खोने की वजह से और अपनों को खोने के डर से बहुत ही डरे हुए और सहमे हुए थे। सभी लोगों के मन में नकारात्मक विचारों ने कब्जा कर लिया था क्योंकि पूरे देश में लॉकडाउन लगा दिया गया था अतः सभी लोग अपने-अपने व्यवसाय बंद करके घरों में फालतू बैठे थे। दिन भर टी.वी. देख कर भी दहशत में आने लगे थे क्योंकि सभी न्यूज चैनल इस महामारी की नकारात्मकता को दिखा कर लोगों को और डरा रहे थे।

इस भयानक महामारी ने पल्लीवाल समाज के काफी लोगों को अपना ग्रास बना लिया था। सभी लोग इन नकारात्मक विचारों और खबरों से बहुत ही डरे हुए थे। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी पल्लीवाल समाज की अजमेर शाखा में उत्सव मनाया जा रहा था। उत्सव भी ऐसा कि जैसे दशलक्षण महापर्व मनाया जा रहा हो क्योंकि पल्लीवाल समाज की अजमेर शाखा के हाथों में इस महामारी को हराने का महामंत्र लग चुका था। और वो महामंत्र है घर पर रहो, सुरक्षित रहो, व्यस्त रहो, मस्त रहो। घर पर तो सभी बैठे थे, पूरा राष्ट्र ही घर पर बैठा था और घर बैठा आदमी व्यस्त कैसे हो सकता है। जबकि इसके ठीक विपरीत अजमेर समाज का प्रत्येक सदस्य पूरे लॉकडाउन में व्यस्त रहा, इसलिए मस्त रहा, इसी का परिणाम है कि कोरोना की द्वितीय लहर में अजमेर पल्लीवाल समाज में एक भी सदस्य की कोरोना से हानि नहीं हुई। कितनी बड़ी उपलब्धि है ये। अब सभी सोचेंगे कि अजमेर समाज ने ऐसा कैसे किया सभी व्यस्त भी रहे, मस्त भी रहे, उत्सव भी मनाया, और कोई हताहत भी नहीं हुआ।

अजमेर पल्लीवाल समाज लॉकडाउन में भी कैसे व्यस्त रहता था उसका तरीका आप सभी को बताते हैं। हमारे यहां के सभी लोग प्रातः अपने सभी नित्य कर्म (स्नानादि) से निवृत्त होकर अपने पूजा पाठ, ध्यान आदि करने के पश्चात चाय-नाश्ता करके 10:30 बजे तक आठ वर्ष के बच्चे से लेकर 80 वर्ष तक के बुजुर्ग सब लोग फ्री होकर अपने-अपने मोबाईल फोन लेकर बिल्कुल तैयार हो जाते थे। 11:00 बजे पल्लीवाल समाज अजमेर के वाट्सएप ग्रुप में एक बड़ी ही रोचक प्रश्नमाला प्रेषित की जाती थी, इस प्रश्नमाला को हल करने के लिये सभी दिन भर व्यस्त रहते थे।

ऐसा क्या था इस प्रश्नमाला में कि पूरा समाज इसे हल करने में व्यस्त रहता था? प्रतिदिन की प्रश्नमाला के प्रथम भाग में रोचक, धार्मिक, सामाजिक, विज्ञान से सम्बन्धित, सामान्य ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न दिये जाते थे एवं द्वितीय भाग में एक चित्रमाला दी जाती थी। इस चित्रमाला में अपने समाज के पुराने दिवंगत लोगों के, वर्तमान में समाज के साधारण सदस्यों के, नवीन पीढ़ी के बच्चों के, समाज के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के चित्रों आदि के चित्र प्रेषित कर उनका परिचय पूछा जाता था। प्रत्येक रविवार को चिल्ड्रंस डे मनाया जाता था, उस दिन बच्चों के लिये प्रश्नमाला प्रेषित की जाती थी। रविवार को जहाँ छः वर्ष के बच्चे इस प्रश्नमाला में जुड़ने के लिये लालायित रहते थे वहीं 75 वर्ष के बुजुर्ग भी अपने आप को बच्चा जान कर अपने बचपन की यादों को ताजा कर लेते थे, कितने सुखद पल जीये हैं हमने लॉक डाउन में। इस प्रश्नमाला को हल करने में समाज के सभी परिवारों का ये हाल था कि यदि परिवार में दस सदस्य हैं तो वे सभी एक ही जगह एक साथ बैठ कर हल करने में एक दूसरे का सहारा ले रहे थे। कितना बड़ा फायदा हुआ इस प्रश्नमाला का, जो परिवार कभी दस मिनट से ज्यादा एक साथ नहीं बैठ पाता था, आज वही परिवार पाँच-छः घण्टे तक एक साथ बैठ कर एक दूसरे का हाथ बटा रहा था, एक दूसरे को समझ रहा था, आपस में मदद कर रहा था इससे पारिवारिक एकता को भी बढ़ावा मिला। किसी को ना खाने की चिंता ना ही खाने की कोई फरमाइशें, कितना सरल जीवन जीया है हमने लॉक डाउन में।

कई सवाल ऐसे भी थे जो परिवार के सभी सदस्यों को नहीं आते थे अथवा कुछ चित्र ऐसे थे जिन्हें पहचान नहीं पाते थे। इन्हें हल करने के लिये कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर लाइफलाइन फोन ऑफ फ्रेंड का दौर शुरु होता था यानि सभी

अपने-अपने अजमेर और अजमेर से बाहर के रिश्तेदारों से फोन पर मदद माँगते थे। इस लाइफलाइन का सहारा लेने में सभी की कुशलक्षेम भी मालूम हो जाती थी। कितना बड़ा फायदा था ये कि सभी इस लाइफलाइन की वजह से एक दूसरे से जुड़ जाते थे।

सांयकाल 6:00 बजे तक यही सब चलता था, सभी लोग 6:30 बजे तक प्रश्नमाला के जवाब प्रश्नकर्ताओं के निजी वाट्सअप नंबर पर प्रेषित कर देते थे। सायंकाल 7:30 बजे तक सभी का रिजल्ट बना कर ग्रुप में प्रेषित किया जाता था। सभी के अंक बताये जाते थे सर्वाधिक अंक लाने वाले विजेताओं और चैम्पियंस के फोटो ग्रुप में प्रेषित किये जाते थे। फिर दौर शुरु होता था समाज के सभी सदस्यों द्वारा विजेताओं और चैम्पियंस को बधाइयाँ और शुभकामनाएँ देने का, यह दौर रात्रि 10:00 बजे तक चलता था।

इतने व्यस्त कार्यक्रम में कोरोना अथवा कोरोना से जुड़ी नकारात्मकता के बारे में सोचने का समय ही नहीं था किसी के पास, सभी की विचारधारा सकारात्मक थी, आपसी सहयोग की थी। प्रतिदिन कुछ नया सीखने, समझने, जानने की उत्सुकता। पुराने और नये अपने लोगों को जानने पहचानने की ललक थी। हालाँकि हमारे समाज के कुछ सदस्यों को कोरोना संक्रमण हुआ भी था, लेकिन उन सभी ने अपने ऊपर नकारात्मकता को हावी नहीं होने दिया, वे सब व्यस्त रहे सकारात्मक रहे इसलिए अतिशीघ्र स्वस्थ हो गये।

इस प्रश्नमाला की चर्चा जब अखिल भारतीय पल्लीवाल महासभा के भूतपूर्व महामंत्री श्रीमान अशोक जैन साहब (जयपुर) तक पहुँची तो उन्होंने इसकी बहुत प्रशंसा की एवं इसे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करने का भी प्रस्ताव दिया।

लॉकडाउन में हमारा समय कितना अच्छा निकला इसका अंदाज आप सभी लगा सकते हैं। ना किसी को कोरोना का डर, ना ही चिंता, सब लोग अपने धर्म की बारीकियों को सीख रहे थे, अपने ज्ञान में निरन्तर वृद्धि कर रहे थे, इसके माध्यम से प्रभु की आराधना भी कर रहे थे। अजमेर समाज शाखा का आप सभी शाखाओं से यही अनुरोध है इस तरह के विपत्ति काल में विचलित ना हों, अपने यहां भी इस तरह के कार्यक्रम चलाएं एवं घर बैठे ही उत्सव मनाएं। सभी को इस कार्यक्रम में जुड़ने के लिये प्रेरित करें जिससे कि सभी के विचारों में सकारात्मकता आए, सब स्वस्थ रहें, खुशहाल रहें एवं हमारा सकल जैन समाज अन्य वर्गों के लिये एक उदाहरण बने।

-हेमंत कुमार जैन
केसरगंज, अजमेर

प्रभु नाम से कल्याण

एक बार एक पुत्र अपने पिता से रूठ कर घर छोड़ कर दूर चला गया और फिर इधर-उधर यूँही भटकता रहा।

दिन बीते, महीने बीते और साल बीत गए।

एक दिन वह बीमार पड़ गया। अपनी झोपडी में अकेले पड़े उसे अपने पिता के प्रेम की याद आई कि कैसे उसके पिता उसके बीमार होने पर उसकी सेवा किया करते थे। उसे बीमारी में इतना प्रेम मिलता था कि वो स्वयं ही शीघ्र अति शीघ्र ठीक हो जाता था। उसे फिर एहसास हुआ कि उसने घर छोड़ कर बहुत बड़ी गलती की है, वो रात के अँधेरे में ही घर की ओर हो लिया।

जब घर के नजदीक गया तो उसने देखा आधी रात के बाद भी दरवाज़ा खुला हुआ है। अनहोनी के डर से वो तुरंत भाग कर अंदर गया तो उसने पाया की आंगन में उसके पिता लेटे हुए हैं। उसे देखते ही उन्होंने उसका बांहे फैला कर स्वागत किया। पुत्र की आँखों में आंसू आ गए।

उसने पिता से पूछा, 'ये घर का दरवाज़ा खुला है, क्या आपको आभास था कि मैं आऊंगा?' पिता ने उत्तर दिया, 'अरे पगले ये दरवाजा उस दिन से बंद ही नहीं हुआ जिस दिन से तू गया है, मैं सोचता था कि पता नहीं तू कब आ जाये और कहीं ऐसा न हो कि दरवाज़ा बंद देख कर तू वापिस लौट जाये।'

ठीक यही स्थिति उस परमपिता परमात्मा की है, उसने भी प्रेमवश अपने भक्तों के लिए द्वार खुले रख छोड़े हैं कि पता नहीं कब भटकी हुई कोई संतान उसकी ओर लौट आए।

हमें भी आवश्यकता है सिर्फ इतनी कि उसके प्रेम को समझे और उसकी ओर बढ़ चलें।

कई बार छोटे छोटे प्रसंग ही जीवन की राह बदल देते हैं।

अहंकार की पगड़ी

अहंकार का नशा तो दशा और दिशा दोनों को ही बिगाडता है। यह नशा इतना प्रभाव की जड़े जमा लेता है कि सारी जिन्दगी नहीं उतरता। इतना ही नहीं बल्कि अहंकारी जीवन को भी बर्बादी पर तुल जाता है। यह तो अफीम से भी ज्यादा बुरा नशा है। अहंकारी जीव अर्थात् अहंकारी मनुष्य स्वयं विनाश को जाता है। परिवार जन को भयामय बना देता है। तथा कभी-कभी ऐसी रहस्यममय नाट्य कला रच देता है जिससे समाज जन-परिवारजन- अहंकारी सभी को नाटक का पात्र बन कर भुगतना पड़ता है। और स्वयं नफरत का तौहफा बन कर भटकता रहता है।

अहंकार अकड़ है, क्रोधरूपी मणियों की माला को सदैव अपने पास रखता है। क्रौध मूर्खता से आरम्भ होता है और पश्चाताप पर समाप्त। कहते हैं अहंकार - आसक्ति- असंयम ये तीनों ही नर्क का द्वार है। अहंकारी जीव कभी भी आनन्द नहीं पा सकता। क्रौध तो उसके चेहरे की खुशबू को दर्शाता ही रहता है। चेहरे पर सरवटे - लाल-लाल आँखे, टेड़ी मेढ़ी भौहें। मुख बदबू का द्वार, मस्तक पर जलती हुई सिगरी, हाथ कटीले झाड़, पैरों की विचित्रता जैसे झूलती हुई डगमगाती हुई दुर्बल पेड़ की डाली। यही तो है अहंकारी पगड़ी।

यह कटुसत्य है कि क्रोध आपका ऐसा हुनर है जिसमें फंसते भी आप ही हैं। उलझते भी आप हैं, पछताते भी आप हैं और भुगतते भी आप हैं अहंकारी व्यक्ति की कमर झुक जायेगी किन्तु सिर नहीं झुक पाता। कहावत है अहंकार क्रौध का आसन सिर पर ही होता है। ऐसे जीवन नरक गामी होते हैं, नरक का द्वार सदैव उनके लिए खुल्ला रहता है।

याद रखिए शरीर शमशान की धरोहर है। वहां देर सवेरे सभी को विश्राम करना है। लेकिन मन विश्राम नहीं लेने देता है वह तो उड़ान भरता ही रहता है कि क्रोधी व्यक्ति अपनी जिन्दगी के आयने के दर्पण में नहीं देखता। इसी दर्पण में ही तो आचार-विचार-कार्य प्रणाली व्यवहार, भाषा - सद्गुण आदि दिखाई देते हैं।

बन्धुओं सुख बाजार से नहीं खरीदा जा सकता। दुःख बेचा नहीं जाता। और कोई किसी को सुख-शांति भेंट में भी नहीं दे सकता। अहंकार अपने ऊपर स्वयं ही दुख को नौछावर कर दूसरों को भी दुख की परिधि में बांध देता है। अहंकार - क्रोध ऐसे अणु हें परमाणु हें ये बिना बुलाए अथिति है जो दिल का द्वार खटखटाते रहते हैं और आ बैठते हें मस्तक रूपी झरोखे में। यह न घर देखता है न ही मंदिर का आंगन। हर जगह अपना चमत्कार दर्शाता रहता है।

अहंकारी पगड़ी में दो सितारे चमकते हुए दिखाई देंगे- वे हैं मैं मैं मैं मेरी पूंछ तथा मैं मैं मैं मेरी मूंछ बस यही है जिन्दगी का मेला, इसी मेले में मेरी पूंछ रहनी चाहिए मेरी मूंछ रहनी चाहिये। यहां अहंकारी पगड़ी आधि-व्याधि-उपाधि आदि रोगों को आमंत्रित कर अपनी झोली में डाल रही है लेकिन पूंछ और मूंछ की चिन्ता सता रही है। इनकी चमक फीकी न हो। यही तो हैं जीवन के मेले का खेल। पूंछ और मूंछ ये युद्ध क्षेत्र के द्वारापाल है। पूंछ और मूंछ दिन प्रति दिन लम्बी हो रही है। यही तो जड़ है ईर्ष्या और द्वेष की।

भय-चिंता-क्रोध-लोभ-योग-उपयोग-रोग-शोक-मोह ये नौ चीजें है मनुष्य के अन्दर ये जीवन को प्रभावित करती रहती हैं।

अतः बन्धुओं ''क्रोध रूपी अग्नि की लपटों की चिंगारियां विस्फोटक से भी ज्यादा खतरनाक होती हैं। यही क्रोध या अहंकार की ज्वाला कभी कभी इतनी वेग गति से फुंकारती हैं कि मनुष्य जैसे अनमोल जीव को राख के ढेरीमें बदल देती हैं। ऐसे हैं क्रोधी जीव के परमाणु तो ध्यान रख पाप मनुष्य का परछाई की तरह पीछा करता है जीवन प्रभु का प्रसाद है और बैठ जा प्रभु के चरणों में। भक्ति रस का प्याला पी फिर देख जीवन में उजाला ही उजाला है सद्भक्ति से ही अहंकार क्षीण होता है।

-छगनलाल जैन (हरसाना वाले)
सेनि. अध्यापक

कहानी

यह मेरी मां हैं

एक प्राथमिक स्कूल में अंजलि नाम की एक शिक्षिका थीं वह कक्षा 5 की क्लास टीचर थीं, उनकी एक आदत थी कि वह कक्षा में आते ही हमेशा 'लव यू ऑल'' बोला करती थीं। मगर वह जानती थीं कि वह सच नहीं बोल रही। वह कक्षा के सभी बच्चों से एक जैसा प्यार नहीं करती थीं।

कक्षा में एक ऐसा बच्चा था जो उनको फूटी आंख भी नहीं भाता था। उसका नाम राजू था। राजू मैली-कुचैली स्थिति में स्कूल आ जाया करता है। उसके बाल खराब होते, जूतों के बन्ध खुले, शर्ट के कॉलर पर मेल के निशान। पढ़ाई के दौरान भी उसका ध्यान कहीं और होता था। मैडम के डाँटने पर वह चौंक कर उन्हें देखता, मगर उसकी खाली-खाली नज़रों से साफ पता लगता कि राजू शारीरिक रूप से कक्षा में उपस्थित होने के बावजूद भी मानसिक रूप से गायब है यानी (प्रजेंट बाडी अपसेटं माइड)। धीरे-धीरे मैडम को राजू से नफरत सी होने लगी। क्लास में घुसते ही राजू मैडम की आलोचना का निशाना बनने लगता। सब बुराई के उदाहरण राजू के नाम पर किये जाते। बच्चे उस पर खिलखिला कर हंसते और मैडम उसको अपमानित कर के संतोष प्राप्त करतीं। हालांकि राजू किसी बात का कभी कोई जवाब नहीं दिया था।

मैडम को वह एक बेजान पत्थर की तरह लगता जिसके अंदर आत्मा नाम की कोई चीज नहीं थी। प्रत्येक डांट, व्यंग्य और सजा के जवाब में वह बस अपनी भावनाओं से खाली नज़रों से उन्हें देखा करता और सिर झुका लेता। मैडम को अब इससे गंभीर नफरत हो चुकी थी।

पहला सेमेस्टर समाप्त हो गया और प्रोग्रेस रिपोर्ट बनाने का चरण आया तो मैडम ने राजू की प्रगति रिपोर्ट में यह सब बुरी बातें लिख मारी। प्रगति रिपोर्ट माता-पिता को दिखाने से पहले हेड मास्टर के पास जाया करती थी। उन्होंने जब राजू की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी तो मैडम को बुला लिया। 'मैडम प्रगति रिपोर्ट में कुछ तो राजू की प्रगति भी लिखनी चाहिए। आपने तो जो कुछ लिखा है, उससे तो राजू के पिता बिल्कुल निराश हो जाएंगे।' मैडम ने कहा, 'मैं माफी माँगती हूँ, लेकिन राजू एक बिल्कुल ही अशिष्ट और निकम्मा बच्चा है। मुझे नहीं लगता कि मैं उसकी प्रगति के बारे में कुछ लिख सकती हूँ।' मैडम घृणित लहजे में बोलकर वहां से उठ कर चली गई, स्कूल की छुट्टी हो गई आज तो।

अगले दिन हेड मास्टर ने एक विचार किया और उन्होंने चपरासी के हाथ मैडम की डेस्क पर राजू की पिछले वर्षों की प्रगति रिपोर्ट रखवा दी। अगले दिन मैडम ने कक्षा में प्रवेश किया तो रिपोर्ट पर नजर पड़ी। पलट कर देखा तो पता लगा कि यह राजू की रिपोर्ट हैं। मैडम ने सोचा कि पिछली कक्षाओं में भी राजू ने निश्चय ही यही गुल खिलाए होंगे। उन्होंने सोचा और कक्षा 3 की रिपोर्ट खोली। रिपोर्ट में टिप्पणी पढ़कर उनकी आश्चर्य की कोई सीमा न रही जब उन्होंने देखा कि रिपोर्ट उसकी तारीफों से भरी पड़ी है। 'राजू जैसा बुद्धिमान बच्चा मैंने आज तक नहीं देखा। बेहद संवेदनशील बच्चा है और अपने मित्रों और शिक्षक से बेहद लगाव रखता है।' यह लिखा था.....

अंतिम सेमेस्टर में भी राजू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मैडम ने अनिश्चित स्थिति में कक्षा 4 की रिपोर्ट खोली। 'राजू ने अपनी मां की बीमारी का बेहद प्रभाव लिया। उसका ध्यान पढ़ाई से हट रहा है। राजू की माँ को अंतिम चरण का कैंसर हुआ है। घर पर उसका और कोई ध्यान रखने वाला नहीं है, जिसका गहरा प्रभाव उसकी पढ़ाई पर पड़ा है।' लिखा था....

नीचे हैड मास्टर ने लिखा, 'राजू की माँ मर चुकी है और इसके साथ ही राजू के जीवन की चमक और रौनक भी। उसे बचाना होगा... इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।' यह पढ़कर मैडम के दिमाग पर भयानक बोझ हावी हो गया। कांपते हाथों से उन्होंने प्रगति रिपोर्ट बंद की। मैडम की आंखों से आंसू एक के बाद एक गिरने लगे। मैडम ने अपने आंसू पोंछे।

अगले दिन जब मैडम कक्षा में दाखिल हुईं तो उन्होंने अपनी आदत के अनुसार अपना पारंपरिक वाक्यांश 'लव यू ऑल' दोहराया। मगर वह जानती थीं कि वह आज भी झूठ बोल रही हैं। क्योंकि इसी क्लास में बैठे एक उलझे बालों वाले बच्चे राजू के लिए जो प्यार वह आज अपने दिल में महसूस कर रही थीं... वह कक्षा में बैठे और किसी भी बच्चे से अधिक था। पढ़ाई के दौरान उन्होंने रोजाना दिनचर्या की तरह एक सवाल राजू पर दागा और हमेशा की तरह राजू ने सिर झुका लिया। जब कुछ देर तक मैडम से कोई डांट-फटकार और सहपाठी

सहयोगियों से हंसी की आवाज उसके कानों में न पड़ी तो उसने अचंभे में सिर उठाकर मैडम की ओर देखा। अप्रत्याशित उनके माथे पर आज बल न थे, वह मुस्कुरा रही थीं। उन्होंने राजू को अपने पास बुलाया और उसे सवाल का जवाब बताकर जबरन दोहराने के लिए कहा। राजू तीन-चार बार के आग्रह के बाद अंततः बोल ही पड़ा। इसके जवाब देते ही मैडम ने न सिर्फ खुद खुशान्दाज़ होकर तालियाँ बजाई बल्कि सभी बच्चो से भी बजवायी।

फिर तो यह दिनचर्या बन गयी। मैडम हर सवाल का जवाब अपने आप बताती और फिर उसकी खूब सराहना तारीफ करतीं। प्रत्येक अच्छा उदाहरण राजू के कारण दिया जाने लगा। धीरे-धीरे पुराना राजू सन्नाटे की कब्र फाड़ कर बाहर आ गया। अब मैडम को सवाल के साथ जवाब बताने की जरूरत नहीं पड़ती। वह रोज बिना त्रुटि उत्तर देकर सभी को प्रभावित करता और नये नए सवाल पूछ कर सबको हैरान भी करता। उसके बाल अब कुछ हद तक सुधरे हुए होते, कपड़े भी काफी हद तक साफ होते जिन्हें शायद वह खुद धोने लगा था। देखते ही देखते साल समाप्त हो गया और राजू ने दूसरा स्थान हासिल कर कक्षा 5वीं पास कर ली यानी अब दुसरी जगह स्कूल मे दाखिले के लिए तैयार था।

कक्षा 5वीं के विदाई समारोह में सभी बच्चे मैडम के लिये सुंदर उपहार लेकर आए और मैडम की टेबल पर ढेर लग गया। इन खूबसूरती से पैक हुए उपहारो में एक पुराने अखबार में बदतर सलीके से पैक हुआ एक उपहार भी पड़ा था। बच्चे उसे देखकर हंस रहे थे। किसी को जानने में देर न लगी कि यह उपहार राजू लाया होगा। मैडम ने उपहार के इस छोटे से पहाड़ में से लपक कर राजू वाले उपहार को निकाला। खोलकर देखा तो उसके अंदर एक महिलाओं द्वारा इस्तेमाल करने वाली इत्र की आधी इस्तेमाल की हुई शीशी और एक हाथ में पहनने वाला एक बड़ा सा कड़ा कंगन था जिसके ज्यादातर मोती झड़ चुके थे। मिस ने चुपचाप इस इत्र को खुद पर छिड़का और हाथ में कंगन पहन लिया। बच्चे यह दृश्य देखकर सब हैरान रह गए। खुद राजू भी। आखिर राजू से रहा न गया और मिस के पास आकर खड़ा हो गया। कुछ देर बाद उसने अटक-अटक कर मैडम को बोला, 'आज आप में से मेरी माँ जैसी खुशबू आ रही है।' इतना सुनकर मैडम के आँखों मे आसूं आ गये ओर मैडम ने राजू को अपने गले से लगा लिया।

राजू अब दुसरी स्कूल में जाने वाला था। राजू ने दुसरी जगह स्कूल में दाखिले ले लिया था। समय बितने लगा। दिन सप्ताह, सप्ताह महीने और महीने साल में बदलते भला कहां देर लगती है? मगर हर साल के अंत में मैडम को राजू से एक पत्र नियमित रूप से प्राप्त होता जिसमें लिखा होता कि 'इस साल कई नए टीचर्स से मिला।। मगर आप जैसा मैडम कोई नहीं था।'

फिर राजू की पढ़ाई समाप्त हो गई और पत्रों का सिलसिला भी समाप्त। कई साल आगे गुज़रे और मैडम रिटायर हो गईं।

एक दिन मैडम को राजू का पत्र मिला जिसमें लिखा था- 'इस महीने के अंत में मेरी शादी है और आपके बिना शादी की बात मैं सोच भी नहीं सकता। एक और बात... मैं जीवन में बहुत सारे लोगों से मिल चुका हूं। आप जैसा कोई नहीं है.... आपका डॉक्टर राजू।

पत्र में साथ ही विमान का आने-जाने का टिकट भी लिफाफे में मौजूद था।

मैडम खुद को हरगिज़ न रोक सकी। उन्होंने अपने पति से अनुमति ली और वह राजू के शहर के लिए रवाना हो गईं। शादी के दिन जब वह शादी की जगह पहुंची तो थोड़ी लेट हो चुकी थीं। उन्हें लगा समारोह समाप्त हो चुका होगा.. मगर यह देखकर उनके आश्चर्य की सीमा न रही कि शहर के बड़े डॉक्टर, बिजनेसमैन और यहां तक कि वहां पर शादी कराने वाले पंडितजी भी थक गये थे कि आखिर कौन आना बाकी है... मगर राजू समारोह में शादी के मंडप के बजाय गेट की तरफ टकटकी लगाए उनके आने का इंतजार कर रहा था। फिर सबने देखा कि जैसे ही एक बुड्ढी औरत ने गेट से प्रवेश किया राजू उनकी ओर लपका और उनका वह हाथ पकड़ा जिसमें उन्होंने अब तक वह कड़ा पहना हुआ था और उन्हें सीधा मंच पर ले गया। राजू ने माइक हाथ में पकड़ कर कुछ यूं बोला, 'दोस्तों आप सभी हमेशा मुझसे मेरी माँ के बारे में पूछा करते थे और मैं आप सबसे वादा किया करता था कि जल्द ही आप सबको उनसे मिलाउंगा, ध्यान से देखो... यह, यह मेरी प्यारी-सी माँ... दुनिया की सबसे अच्छी हैं यह मेरी माँ... यह मेरी माँ हैं।'

इस सुंदर कहानी को सिर्फ शिक्षक और शिष्य के रिश्ते के कारण ही मत सोचिएगा। अपने आस-पास देखें, राजू जैसे कई फूल मुरझा रहे हैं जिन्हें आप का जरा सा ध्यान, प्यार और स्नेह नया जीवन दे सकता है.... !!

संकलन : चन्द्रशेखर जैन

अभी सावधानी बरतनी होगी

रोने से किसी को पाया नहीं जा सकता।
खोने से किसी को भुलाया नहीं जा सकता।।

इस वर्ष अप्रैल व मई में महामारी की भयावह स्थिति ने हमारे सैंकडों स्वजनों को असमय अचानक हम सबसे छीन लिया, जिसके दर्द को समाज व उनके परिजन अभी तक भूल नहीं पाये हैं। वक्त के सामने सारे प्रयास असफल ही दिखे। केवल संवेदनाएँ शेष रहीं और नियति के आगे असहाय बने रहे।

बन्धुओं! वर्षावास/चातुर्मास आरम्भ होने जा रहा है। जगह-जगह साधु-साध्वियों के नगर प्रवेश हो रहे हैं। सार्वजनिक धार्मिक उन्माद जागने लगा है। लेकिन महामारी के प्रति अभी भी सावधान रहना होगा। भीड़ में अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अपने परिवार की सुरक्षा हम सबका पहला कर्तव्य है।

चातुर्मास समितियों को भी इस ओर विशेष रूप से सजग रहना है। सुरक्षा के यथासम्भव आवश्यक संसाधनों की उपयोगिता के साथ कार्यक्रमों का संचालन हो, यह सुनिश्चित करना होगा। प्रवचन हॉल में भी निश्चित दूरी पर बैठने की व्यवस्था हो। भोजन व्यवस्था, पारणा व्यवस्था, पेयजल आदि की व्यवस्था इस प्रकार से हो कि शारीरिक दूरी व सुरक्षा का समुचित पालन हो सके। प्राथमिक उपचार की सुविधा भी चातुर्मास स्थलों पर रखना आवश्यक है। पूज्य साधु-साध्वियों को भी इस ओर ध्यान देना होगा। उनकी प्रेरणा का श्रावक श्राविकाओं के ऊपर सीधा सीधा प्रभाव पडता है।

अन्य समाजों की अपेक्षा हमारे समाज में तप-त्याग पर विशेष जोर दिया जाता है। साधु-साध्वियाँ भी श्रावक श्राविकाओं को बड़े-बड़े व कठोर तप करने के लिए प्रेरित करते हैं परन्तु यह सब करने और कराने से पहले यह ध्यान रखना होगा कि शरीर का स्वस्थ रहना व टिके रहना जरूरी है, क्योंकि जब साधन ही नहीं होगा तो साधा किससे जायेगा? इसलिए स्वस्थ तन और स्वस्थ मन धर्माराधना के लिए पहली जरूरत है। इस बार की कोविड लहर में देखा गया कि लोग शारीरिक रूप से स्वस्थ होकर भी अपने आस-पास के लोगों के चले जाने का समाचार सुन-सुनकर मानसिक रूप से कमजोर हो गये और एक भय का माहौल बन गया। लोग डर के साये में जीने लगे। 'विकट परिस्थितियों में मन को मजबूत कैसे किया जाये?' 'परिवार व समाज में परस्पर सहयोग-सेवा की भावना कैसे बढे?' आदि-आदि। इस प्रकार के विषयों पर प्रवचनों में अधिक जोर रहे तो यह चातुर्मास हम सबके लिए सारगर्भित बन सकता है, संजीवनी बन सकता है।

बन्धुओं, भक्ति आराधना करो, मगर बेहोश होकर नहीं, होश में रहकर करो। आवागमन करो, मगर बेसुध होकर नहीं, सावधानी पूर्वक करो। हम सुरक्षित तो हमारा धर्म-समाज सुरक्षित, हमारा धर्म-समाज सुरक्षित तो हम सुरक्षित। बशर्ते अभी सावधानी बरतनी होगी। हमसे बिछुड़े सभी साधर्मिकों के लिए पुनः हृदय से सादर श्रद्धांजलि समर्पित है।

-वीरेन्द्र जैन कर्मयोगी
सम्पादक-श्वे. पल्लीवाल जैन संदेश
बरगमाँ, हिण्डौन सिटी

आत्मबोध की साधना

दूसरों की अच्छाइयों को खोजने, उनको देख-देखकर प्रसन्न होने और उनकी सराहना करने का स्वभाव यदि अपने अंदर विकसित कर लिया जाये तो आज दोष-दर्शन के कारण जो संसार, जो वस्तु और जो व्यक्ति हमें काँटे की तरह चुभते हैं वे फूल की तरह प्यारे लगने लगेंगे। जिस दिन यह दुनिया हमें प्यारी लगने लगेगी, इसमें दोष-दुर्गुण कम दिखाई देंगे, उस दिन हमारे हृदय से द्वेष एवं घृणा का भाव निकल जायेगा और हम हर दिशा और हर वातावरण में प्रसन्न रहने लगेंगे। दुःख-क्लेश और क्षोभ-रोष का कोई कारण ही शेष न रह जाएगा।

अपने व्यक्तित्व को सीमित करने का नाम स्वार्थ और विकसित करने का नाम परमार्थ है। सीमित प्राण दुर्बल होता है, पर जैसे-जैसे उसका अहम् विस्तृत होता जाता है, वैसे ही आंतरिक बलिष्ठता बढ़ती चली जाती है। प्राण शक्ति का विस्तार सुख-दुःख की अपनी छोटी परिधि में केन्द्रित कर लेने से रूक जाता है, पर यदि उसे असीम बनाया जाय और स्वार्थ को परमार्थ में परिणत कर दिया जाय तो इसका प्रभाव यश, सम्मान, सहयोग के रूप में बाहर से तो मिलता ही है, भीतर की स्थिति भी द्रुत गति से परिष्कृत होती है।

हम जितने कुशल विचार शिल्पी होंगे, हमारी आत्मा का निर्माण उतना ही सुन्दर और स्थायी होगा। अपनी आत्मा का साक्षात्कार भी हम विचारों के द्वारा ही कर सकते हैं। विचारों के आदर्श में ही आत्मा का रूप प्रतिबिम्बित होता है और विचार चक्षुओं से ही उसके दर्शन किये जा सकते हैं। विचार जितने उज्ज्वल और पवित्र होंगे, आत्मा का प्रतिबिम्ब उतना ही स्वच्छ और स्पष्ट दृष्टिगोचर होगा।

नवमीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

स्व. श्रीमती माया देवी जी जैन

जन्मतिथि : 06.03.1949 *स्वर्गवास : 13.7.2012*

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादयक चरित्र
सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री सुमेर चन्द जैन (पति)
(पूर्व पार्षद) कालवाडी वाले
मो. 9414711621

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद जैन-सुषमा जैन
राजेश जैन-रेनू जैन
संजय जैन

पौत्र :
तन्मय जैन, गर्भित जैन

जेठ-जिठानी :
राधेश्याम जैन-रामकली जैन

भतीजा-भतीजा बहू :
श्रीचन्द जैन-उषा जैन

पुत्री-दामाद :
रेखा जैन-राजेन्द्र जैन
सीमा जैन-भानुप्रकाश जैन

धेवते-धेवती :
राशिका, प्रिंस, अनुष्का,
वंशिका, हितांश

प्रतिष्ठान :
आदिनाथ खाद बीज भण्डार, खेरली - 9214965126
आदिनाथ मैडिकल ऐजेन्सी, खेरली - 9252142897
विनोद कुमार संजय कुमार, खेरली- 9252225567

निवास
वार्ड नं० 2, जैन कॉलोनी, खेरली (अलवर) राज.

प्रथम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री पंकज कुमार जी जैन
(एडवोकेट)

(8 नबम्बर 1977 - 29 जुलाई 2020)

वक्त के साथ जख्म तो भर जायेंगे,
मगर जो बिछड़े सफर जिन्दगी में,
फिर ना कभी लौट कर आयेंगे।

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को
हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

तारा देवी-शिखर चन्द जैन *(माता-पिता)*
शालू जैन *(पत्नी)*
आन्या (पीहू) जैन *(पुत्री)*
इंद्रा देवी-घासी लाल जैन *(नानी-नाना)*

भाई-भाभी :
संजय कुमार जैन-श्वेता जैन
अनुज-अनुज वधु :
शैलेश कुमार जैन-दीपा जैन
बहिन-बहनोई :
आरती-अजय जैन *(जयपुर)*

भतीजी, भतीजे : मुस्कान ,शौर्य, काव्य, दर्श
भानजे, भानजी : अर्पण, अनुष्का

ससुराल पक्ष :
सास-ससुर :
उर्मिला-प्रह्लाद कुमार जैन
साला-सरहेज :
आशीष जैन-प्रतीक्षा जैन
ज्योति नगर आगरा

निवास

368, सेक्टर-5, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा
मो.: 9897433822, 9568340024

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री दिनेश चन्द जी जैन
(स्वर्गवास : 07.08.2014)

स्व. श्रीमती कमलेश जी जैन
(स्वर्गवास : 29.06.2019)

हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धांजलि

पुत्र-पुत्रवधु :
प्रशान्त जैन-पिंकी जैन
शेलेष जैन-साधना जैन

पौत्र-पौत्री :
रूचिर जैन, भव्य जैन
शुभांगी जैन व आद्या जैन

बहन-बहनोई :
नवीन चन्द जैन (जयपुर)
शकुन्तला जैन-विनोद कुमार जैन (दिल्ली)
सपना जैन-शैलेन्द्र कुमार जैन (दिल्ली)

'रामा' 40, रेलवे गृह निर्माण समिति, माला रोड, कोटा जंक्शन, कोटा
मो.: 9667319794, 9929818100, 9414242314

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

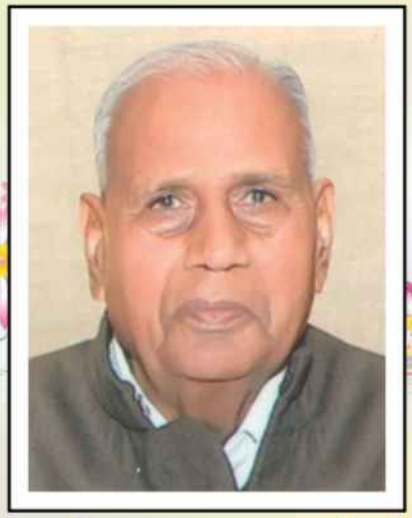

स्व. श्री पदम चन्द जी जैन

(जन्म : 02-09-1934) *(स्वर्गवास : 06-07-2018)*

हम सभी परिवारजन सादर श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।
आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धांजलि

ललिता जैन *(धर्मपत्नी)*

पुत्र-पुत्रवधु :
अनिल कुमार जैन (रेलवे)-निशा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
सीए कुशल जैन-सीए मोनिका जैन
सी.ए. धवल जैन
पड़पौत्र :
रेयांश जैन

भाई-भाभी :
महावीर प्रसाद-अंगूरी देवी
सुरेश चन्द-शारदा देवी
सुशीला देवी, रामदेई

पुत्री-दामाद :
कमलेश-पारस जी
मिथलेश-केशव जी
पुनिता-अनिल जी
ममता-मुकेश जी
कविता-सन्तोष जी

निवास :
ए-109, वैशाली नगर, जयपुर, मो.: 9314653717, 9001199117
फर्म :
जैन फ्लोर मिल एवं मसाला उद्योग, वैशाली नगर, जयपुर

विधवा सहायता

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 7,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4991)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 4,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4992)*

★ **श्री मुकुल जी जैन,** पुत्र श्री वी.के. जैन, बी-67, अशोक विहार, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4993)*

★ **श्री बाबूलाल जी जैन** (नौगांवा वाले), आर.जेड.-7ए/2, गली नं. 3, पूरन नगर, पालम गांव ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती लक्ष्मी जी जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4994)*

★ **श्री अमीर चन्द जी जैन** (से.नि. आर.ए.एस.), नहर रोड, गंगापुर सिटी ने अपनी प्रपौत्री सौ.कां. रुपल जैन सुपुत्री श्रीमती सीमा जैन एवं श्री पवन कुमार जैन का शुभ विवाह चि. शुभम जैन सुपुत्र श्रीमती सुनीता एवं श्री दिनेश चन्द जैन दांतिया वाले हाल निवासी कोटा के साथ दिनांक 18.07.2021 को सआनन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4914)*

★ **श्री अनिल जी जैन, नरेन्द्र जी जैन, सुनील जी जैन,** जी-4, मंगलायतन जैन मन्दिर के पास, कोटा जंक्शन, कोटा ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती सावित्री देवी जी जैन की तृतीय पुण्य तिथि पर विधवा सहायता हेतु रु. 1,100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4913)*

★ **सुरभि जी जैन,** 503, रॉयल एम्पायर, टी-37, लोखण्डवाला सर्किट के पास, अंधेरी (प.) मुम्बई-400054 ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4916)*

महासभा सहायता

★ **श्री अनूप चन्द जी जैन,** निवासी 68, सैक्टर 1, बोदला, आगरा ने अपने सुपुत्र चि. मोहित संग सौ.कां. सुची सुपुत्री स्व. श्री जिनेन्द्र कुमार जैन, कमला नगर, आगरा के दिनांक 15 जुलाई 2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर रु. 1100/- महासभा को भेंट किए। *(र.सं. 4995)*

★ **श्री दिनेश चन्द जी रजत कुमार जैन,** दांतिया वाले हाल निवासी कोटा ने अपने सुपुत्र चि. शुभम जैन संग सौ.कां. रूपल जैन सुपुत्री श्री पवन कुमार जैन, गंगापुर सिटी हाल निवासी जयपुर के दिनांक 18 जुलाई 2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर रु. 500/- महासभा को भेंट किए। *(र.सं. 4915)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री अनूप चन्द जी जैन,** निवासी 68, सैक्टर 1, बोदला, आगरा ने अपने सुपुत्र चि. मोहित संग सौ.कां. सुची सुपुत्री स्व. श्री जिनेन्द्र कुमार जैन, कमला नगर, आगरा के दिनांक 15 जुलाई 2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर रु. 500/- पत्रिका को भेंट किए। *(र.सं. डी-2574)*

★ **श्री दिनेश चन्द जी रजत कुमार जैन,** दांतिया वाले हाल निवासी कोटा ने अपने सुपुत्र चि. शुभम जैन संग सौ.कां. रूपल जैन सुपुत्री श्री पवन कुमार जैन, गंगापुर सिटी हाल निवासी जयपुर के दिनांक 18 जुलाई 2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर रु. 500/- पत्रिका को भेंट किए। *(र.सं. डी-2575)*

★ **श्री रवि जी जैन एवं श्री राकेश जी जैन,** 204, अशोका टॉवर, डैंपियर नगर, मथुरा ने अपने पूज्य पिताजी श्री त्रिलोक चन्द जी जैन के दिनांक 15.05.2021 को देवलोक गमन उनकी पुण्य स्मृति में रु. 1100/- पत्रिका को भेंट किए। *(र.सं. डी-2571)*

पत्रिका सदस्यता

3122. Sh. Rajendra Ji Jain, Jain Electrical, Jain Katla Main Market, Village Gudhachandra Ji, Teh. Nadoti, Dist. Karauli-322213, Mob.: 9462626591 *(CR D-2538)*

3123. Sh. Deepak Ji Jain, 14, Ganga Path, Suraj Nagar (West), Civil Lines, Jaipur-302006 *(CR D-2545)*

3124. Sh. Shashi Kumar Ji Jain, 5, Krishna Vihar, Near Shiv Baba Dham, Renuka Bagh, Karmyogi Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9837437746 *(CR D-2510)*

शाखा मुंबई

नवकार मंत्र का अखंड पाठ

20 जून 2021 को शाखा मुम्बई द्वारा 8 घंटे का अखंड नवकार मंत्र के पाठ का आयोजन गूगल-मीट द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन शाखा के अर्थमंत्री श्री रवि प्रकाश जी ने किया। कार्यक्रम में 4 गणमान्य विशिष्ठ अतिथि - महासभा के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान सुमत प्रकाश जी, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान आर.सी. जैन साहब, भूतपूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री अशोक कुमार जी व वर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव रतन जी की उपस्थिति विशेष रुप से उत्साहवर्धक व सराहनीय थी।

कार्यक्रम का शुभारम्भ बाल कलाकार सम्यक जैन सुपुत्र मनीष-सुनैना जैन ने की-बोर्ड पर नवकार मंत्र सुना कर किया। संचालक श्री रवि प्रकाश जी ने चारों सम्माननीय अतिथियों का हृदय पूर्वक स्वागत किया। तत्पश्चात शाखा के अध्यक्ष श्री मृगेन्द्र जैन ने भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुमत प्रकाश जी का संक्षिप्त परिचय दिया एवं श्री सुमत प्रकाश जी ने समाज को संबोधित किया। तत्पश्चात शाखा अध्यक्ष श्री मृगेंद्र जैन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन का संक्षिप्त परिचय दिया एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन ने समाज को संबोधित किया। इसके पश्चात शाखा की महामंत्री शशि पालीवाल जी ने भूतपूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री अशोक जी का परिचय दिया एवं अशोक जी ने संबोधित किया। महामंत्री शशि पालीवाल जी ने राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव रतन जी का परिचय दिया एवं श्री राजीव रतन जी ने बहुत ही ओजस्वी शब्दों में अपना संबोधन किया।

मुंबई शाखा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीमान वीरेंद्र जैन साहब के आज जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर पूरे समाज के व अतिथियों द्वारा विशेष धन्यवाद दिया गया। तत्पश्चात् शाखा की कार्यकारिणी सदस्या अपर्णा जैन जी द्वारा जनवरी 21 से जून 21 के मध्य जितने भी शाखा के सदस्यों का जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगाँठ पड़ी, उन सभी को समाज की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

चारों विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर श्री रवि प्रकाश जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया व एक सुंदर सी कविता उनके सम्मान में सादर भेंट की गई। शाखा के वरिष्ट सदस्य श्री संतोष जैन साहब ने मंगलाष्टक का पाठ किया व नवकार मंत्र की विधिवत शुरुआत की। नन्हे बाल कलाकार, प्रिशा जैन, आयोना जैन, अर्थ पालीवाल, महिमा जैन व सम्यक जैन ने 9 बार नवकार मंत्र का पाठ करके अखंड नवकार मंत्र पाठ का शुभारम्भ किया। निम्न माननीय सदस्यों ने गूगल मीट पर अपने घरों से पाठ पठन किया :- *प्रीति - दीपक जैन, नीरू जैन (जुहू), कुसुम - राजेंद्र जैन, अपर्णा - पीयूष जैन, शशि - नरेंद्र पालीवाल, संतोष - कीर्ति जैन, सुनीता - नत्थी जी, शीतल चंद पालीवाल रायपुर, शशि - प्रकाश जैन मानखुर्द, नीरा - सुधीर जैन कांदिवली, प्रतिमा - राजेन्द्र जैन, महारानी - वीरेंद्र जैन, शोभा - रवि जैन, आशा - योगेश जैन, सुनीता - मृगेंद्र जैन, शशि - वी.के. जैन वाशी, श्वेता - मनोज जैन।*

उसके पश्चात श्री संतोष जैन ने नवकार मंत्र की महिमा का गुणगान व वर्णन किया। सभी के द्वारा सामूहिक आरती की गई। अंत में, सभी को शाखा के अध्यक्ष श्री मृगेंद्र जैन ने आगंतुक अतिथियों, व सम्पूर्ण समाज को धन्यवाद देते हुए विशेष रूप से श्री रवि प्रकाश जी व उनके उत्कृष्ट संचालन को एवं पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद दिया।

शाखा समाचार

शाखा अजमेर

डायरेक्ट्री विमोचन एवं वितरण

शाखा अजमेर की डायरेक्ट्री का विमोचन एवं वितरण का कार्यक्रम मंदिर जी में बड़े ही उल्लास पूर्वक समाज के काफी गणमान्य लोगों के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में कोरोना काल में समाज के दिवंगत सदस्यों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की गई।

श्री रामावतार जी जैन द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात श्रीमान सुशील जैन, श्रीमान अशोक जैन, श्रीमान राकेश पालीवाल, श्रीमान हरीश जैन, श्रीमान भोजराज जैन, श्रीमान रामावतार जैन, श्रीमान नाथूलाल जैन, श्रीमान प्रदीप जैन, श्रीमती सरिता जैन, श्रीमती कृतिका जैन द्वारा डायरेक्ट्री का विमोचन किया गया। इसी श्रंखला में श्रीमान दीपक जैन, श्रीमती सुनिता जैन बालाहेड़ी वाले द्वारा एक बहु उपयोगी फोल्डर का एवं श्रीमान भोजराज जैन, श्रीमती मंजू जैन, श्री अभिषेक जैन द्वारा एक बहुउपयोगी पुस्तक - भक्तामर स्तोत्र एवं आरती संग्रह का भी विमोचन किया गया। तत्पश्चात इस बहुउपयोगी डायरेक्ट्री की परिकल्पना, शोध, एवं संकलनकर्ता श्री प्रमोद जैन, श्री सुबोध जैन, श्री हेमंत जैन (पालीवाल पाईप फिटिंग, अजमेर) का मंदिर कमेटी, महासभा कमेटी, महिला मंडल एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मान किया गया एवं इस डायरेक्ट्री को बनाने के लिये आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन बड़े ही खूबसूरत तरीके से श्रीमान सत्येंद्र जैन ने किया।

शाखा फिरोजाबाद

शाखा फिरोजाबाद का चुनाव-2021 श्री प्रमिल कुमार जैन एडवोकेट की अध्यक्षता में छोटी छपेटी मन्दिर में सम्पन्न हुए। वर्ष 2021 से 2024 तक के लिये निम्न पदों का गठन किया गया :-

अध्यक्ष- **श्री संजीव जैन** (डब्बू), जैन नगर खेड़ा

उपाध्यक्ष- **श्री राजीव जैन** (मन्नू), बड़ी छपेटी

महामंत्री- **श्री राजेश जैन** (वीटू), जैन नगर खेड़ा

कोषाध्यक्ष- **श्री संतोष जैन**, जैन नगर खेड़ा

ऑडीटर- **श्री प्रिंस जैन**, विभव नगर

अध्यक्ष :
संजीव जैन (डब्बू)
जैन नगर खेड़ा, फिरोजाबाद

महामंत्री :
राजेश जैन (वीटू)
जैन नगर खेड़ा, फिरोजाबाद

शाखा दिल्ली

शाखा दिल्ली की साधारण सभा की बैठक दिनांक 01 अगस्त 2021 दिन रविवार दोपहर 3:00 बजे खण्डेलवाल सेवा सदन, बसंत रोड, नई दिल्ली पर होगी। बैठक में निम्न लिखित विषयों पर विचार विमर्श होगा :-

(1) पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि

(2) वर्ष 2020/21 की आय-व्यय का लेखा-जोखा

(3) नई कार्यकारिणी का चुनाव श्री पदमचन्द जी जैन मतदान अधिकारी के सानिध्य में होगा। चुनाव के नियमों की जानकारी चुनाव से पूर्व बता दी जाएगी। मतदान अधिकारी का निर्णय अंतिम निर्णय होगा।

(4) अन्य विषय अध्यक्ष जी की अनुमति से।

-विजय जैन
महामंत्री, श्री पल्लीवाल जैन सभा, दिल्ली

कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ इन्दौर में

श्वेताम्बर साधू उपाध्याय श्री प्रवीणऋषिजी महाराज का आगमन व सम्मान

उपाध्याय प्रवर श्री प्रवीणऋषिजी महाराज साहब को साहित्य व सन्मतिवाणी भेंट करते हुए डॉ. अनुपम जैन, डॉ. सूरजमल बोबरा, अमित कासलीवाल, प्रो.नरेन्द्र धाकड़, जयसेन जैन व बाहुबली पाण्ड्या

इन्दौर। दिगम्बर जैन समाज के शोध संस्थान कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ इन्दौर में श्वेताम्बर साधू उपाध्यायश्री प्रवीणऋषिजी महाराज का आगमन हुआ। उपाध्यायश्री को साहित्य व सन्मतिवाणी विषेषांक भेंट किये गये। संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूज्य महाराजश्री को श्री आदित्य कासलीवाल ने वस्त्र भेंट किये। उन्हें संस्था द्वारा प्रकाशित साहित्य तथा सन्मतिवाणी मासिक के स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल स्मृति अंक, स्व. डॉ. अजित कुमार सिंह कासलीवाल स्मृति अंक व स्व. श्री निर्मल कुमार सेठी स्मृति अंक डॉ. सूरजमल बोबरा, संपादक जयसेन जैन, अमित कासलीवाल, बाहुबली पाण्ड्या, डॉ. अनुपम जैन ने भेंट किये।

प्रो. श्रेणिक बण्डी ने संस्था का परिचय दिया। श्री रमेश भण्डारी व पूर्व कुलपति प्रो. नरेन्द्र धाकड़ ने संघ व पूज्य महाराज साहब का परिचय दिया। पूज्य महाराज साहब ने दिगम्बर-श्वेताम्बर समाज की एकता पर बल देते हुए कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ द्वारा संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की। डॉ. संगीता विनायका ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। डॉ. अनुपम जैन ने संचालन किया। श्री राजकुमार पाटोदी ने आभार माना।

-जयसेन जैन

बधाई

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के परामर्शदाता **डॉ. अनुपम जैन** इंदौर को भारत के समस्त दिगंबर जैन तीर्थों के प्रबंधन हेतु उत्तरदायी शीर्षस्थ संस्था भा.दि.जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के मुंबई से प्रकाशित मासिक मुख पत्र जैन तीर्थ वन्दना का प्रधान संपादक मनोनीत किया गया है। अ.भा.प. जैन महासभा अनुपम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

एक मुट्ठी अनाज

एक बड़ा सुंदर मकान है, उसके नीचे अनाज की दुकान है, दुकान के सामने अनाज की ढेरी लगी है, एक बकरा आया, उसने ढेरी पर मुंह मारा...

दुकान का मालिक एक तरुण युवा धनी दुकान पर बैठा था, उसके हाथ में नुकीली छड़ी थी, उसने बकरे के सिर पर जोर से छड़ी मार दी, बकरा मैं...मैं... करता हुआ भागा...

नारद जी तथा अंगिरा ऋषि अपनी राह जा रहे थे, बकरे की उपर्युक्त घटना देखकर नारद जी को हंसी आ गई, अंगिरा जी ने हंसी का कारण पूछा?

तब नारद जी ने बताया कि यह अनाज की दुकान पहले बहुत छोटी थी, इसके मालिक ने इसी दुकान से अपने व्यापार की प्रगति की और अंत में करोड़पति हो गया। उसी ने यह इमारत बनवाई है, परंतु अनाज की बुनियादी दुकान को अपने रहने के मकान के पीछे ही रखा,, क्योंकि इसी दुकान से उसकी उन्नति हुई थी....। मालिक मर गया, उसका बेटा उत्तराधिकारी हुआ। वही, दुकान पर बैठा था, जिसने बकरे को छड़ी से मारकर भगाया था। यह इस दुकान पर रोज आकर बैठता है काम-काज तो नौकर करते हैं।

मुझे हंसी इस बात पर आ गई कि दुकान का वह मालिक, इस तरुण का पिताजी, बकरे की योनि में पैदा हुआ है, यही एक दिन इस दुकान का, मकान का, सारे कारोबार का मालिक था, पर आज 'एक मुट्ठी अनाज' पर भी इसका अधिकार नहीं है। अनाज की ओर मुंह करते ही मार पड़ती है, और जिस पुत्र को बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा वही मारता है, यही है जगत का स्वरूप...।

इसलिए दोस्तों... इस संसार में कुछ नहीं रखा है, कुछ साथ जाने वाला नहीं है। जो साथ जाएगा, वह है धर्म। अच्छे कर्म करिए व धर्म करिए, वही सब साथ रहने वाला है।

षष्ठम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती दीपिका जी जैन

(06.07.1985 - 31.07.2015)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, धर्म के प्रति आस्था एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन करते हुए
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

माता-पिता :
श्रीमती बीना जैन-श्री कैलाश चन्द जैन

भाई-भाभी :
पुनीत जैन-अनामिका जैन

बहिन-जीजाजी :
मनीषा जैन-विपुल जैन
शिल्पी जैन-आलोक जैन
अर्चना जैन-नितिन जैन

ताईजी :
श्रीमती मीना जैन

चाचा-चाची :
सतीश चन्द जैन-त्रिशला जैन
सरोज जैन *(धर्मपत्नी स्व. श्री हरीश चन्द जैन)*
विमल जैन-ऊषा जैन
एवं समस्त चौधरी परिवार

प्रतिष्ठान :
आशीर्वाद पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर
आशीर्वाद पब्लिकेशन, जयपुर
जैन बुक डिपो, जयपुर

निवास

बी-9, डिस्ट्रिक्ट शॉपिंग सेन्टर, लक्ष्मी मंदिर सिनेमा के पास, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2741519, मो.: 9784167726, 9829015077

द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 25.07.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्म परायणता को हम सभी
शत्-शत् नमन करते हुए आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

बाबूलाल जैन *(नौगांवा)*
(पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
योगेश जैन-रश्मि जैन
ज्ञानेश जैन-गीता जैन

पौत्र, पौत्री :
शुभम, संभव,
विशुता, तान्या

पौत्री-पौत्री दामाद :
अक्षिता जैन-मुकुल जैन

पुत्री-दामाद :
ममता जैन-स्व. श्री अनिल जैन
कल्पना जैन-श्री राजेश जैन

नवासा, नवासी :
गौरव,
अंकित-पल्लवी,
आयुष,
रिया-सौरभ

प्रतिष्ठान

★ मै. अरिहन्त पैकेजिंग
महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली, फोन : 25052070

निवास : RZ-7A/2, गली नं. 3, पूरन नगर, पालम गांव, नई दिल्ली-110077
फोन : 011-25367174, मो. 9968002564

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers,
Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures,
RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

भावभीनी श्रद्धांजलि

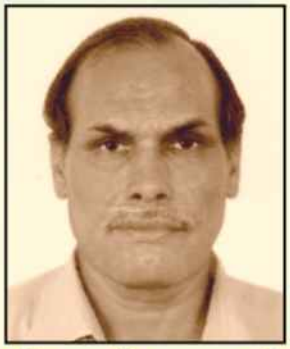

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

षष्ठम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती माया जी जैन

(पुण्य तिथि 18 जुलाई 2015)

(धर्मपत्नी स्व. श्री दया चन्द्र जी जैन, Retd. B.D.O.)

अपनी मधुर स्मृतियां छोड़ आप अनन्त में विलीन हो गईं
हम सभी परिवार जन आपको श्रद्धापूर्वक, अश्रुपूरित नयनों से नमन करते हैं

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
चन्द्र प्रकाश जैन-रजनी जैन
(Ex. En. PWD)
मनीष जैन-आरती जैन
(AEN MCD Delhi)

पौत्री, पौत्र :
रिया, तन्वी,
रोनित, तन्मय

पड़ दोहिती, दोहिते :
अदिश्री, अव्यांश

पुत्री-दामाद :
मंजू-देवेन्द्र जैन
अर्चना-दिनेश जैन
रेणु-अनिल जैन
निधि-विवेक जैन

दोहिते-दोहिती :
नितिश-दिपाशा
डॉ. निमिषा-डॉ. आधार
अंशुल, समीक्षा, अनुव्रत,
अविजीत, सम्यक

देवर :
राजकपूर जैन
बिमलचन्द जैन

भतीजे :
धर्मचन्द जैन
राजेन्द्र प्रसाद जैन
सत्यप्रकाश जैन
पंकज कपूर जैन
विजय प्रकाश जैन
विपुल जैन

निवास :
555-बी, स्कीम-2, अलवर
72/29-ए, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
ए-303, आदित्य गार्डन सिटी, वसुन्धरा, गाजियाबाद
मो.: 9414277153, 9717787673

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

17वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजली

जन्मतिथि :
08.02.1929

स्वर्गवास :
02.07.2004

स्व. श्री बंगालीमल जैन जी दलाल

(पूर्व अध्यक्ष, शाखा आगरा - श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा)

आपके द्वारा जो कर्तव्यनिष्ठता, ईमानदारी और धर्मपरायणता का पाठ पढ़ाया गया उसी का अनुसरण करते हुए निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
मगन कुमार जैन-पुष्पा जैन
सुनीता जैन
ज्ञान कुमार जैन-सुषमा जैन

पुत्री - दामाद :
गुनमाला जैन-निर्मल जैन
ओमवती जैन-गिरीश जैन
अनूप जैन-सतीश जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
अंकुर जैन-श्वेता जैन

पौत्र, पौत्री :
विपुल, सौरभ, गौरव जैन, रति, श्रुति जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
शालिनी जैन-कुशलेश जैन
प्रीति जैन-पंकज जैन
कीर्ति जैन-हिमांशु जैन

परपौत्र, परपौत्री :
इस्ति, रचित, मीका, अरशिया, विहान

फर्म :

बंगाली मल जैन एण्ड संस, लोहा मण्डी, आगरा
बंगाली मल विजय कुमार जैन, लोहा मण्डी, आगरा
मो. : 9219103254 9837201913, 9411461006

12वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती सन्तरा देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 9 जुलाई 2009)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता को हम सभी शत्-शत् नमन करते हुए आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

त्रिलोक चन्द जैन
(पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
महावीर प्रसाद-राजेश्वरी
डॉ. पदम चन्द-बीना
रघुवर दयाल-मीना

पौत्र-पौत्रवधू :
डॉ. मोहित-डॉ. रूचिका
इंजि. रोहित-रूचि
डॉ. दीपक-डॉ. अभिलाषा

प्रपौत्री, प्रपौत्र :
ईशी, मिशी, रचित, किट्टू

पुत्री-दामाद :
उर्मिला-प्रो. सतीश
सोमा-गिरीश
नीलम-सुरेन्द्र
चन्द्रकान्ता-सुनील

पौत्री-पौत्री दामाद :
डॉ. दिव्या-डॉ. अचिन
इंजि. सोनू-इंजि. विशांक
इंजि. अन्नू-इंजि. सचिन

पौत्र :
अमित

निवास : चौपड़ बाजार, रामगढ़, अलवर (राज.)
46-अ, आर्य नगर, अलवर (राज.)
फोन : 01468-232218, 9828727566

माता-पिता

एक मध्यम वर्गीय परिवार के एक लड़के ने 10वीं की परीक्षा में 90% अंक प्राप्त किए। पिता, मार्कशीट देखकर खुशी-खुशी अपनी बीवी को कहा कि बना लीजिए मीठा दलिया, स्कूल की परीक्षा में आपके लाड़ले को 90% अंक मिले हैं...।

माँ किचन से दौड़ती हुई आई और बोली, 'मुझे भी बताइये, देखती हूँ।'

इसी बीच लड़का फटाक से बोला, 'बाबा उन्हें रिजल्ट कहाँ दिखा रहे हैं?... क्या वह पढ़-लिख सकती हैं? वह अनपढ़ हैं।' अश्रुपूर्ण आँखों को पल्लु से पूछती हुई माँ दलिया बनाने चली गई।

ये बात पिता ने तुरंत देखा, फिर उन्होंने लड़के के कहे हुए वाक्यों में जोड़ा, और कहा, 'हां रे! वो भी सच है...!' जब हमारी शादी हुई तो तीन महीने के अंदर ही तुम्हारी माँ गर्भवती हो गई.. मैंने सोचा, शादी के बाद कहीं घुमने नहीं गए.. एक दूसरे को ठीक से हम समझे भी नही हैं, चलो इस बार अबॉर्शन करवा कर आगे चांस लेते हैं.. लेकिन तुम्हारी माँ ने ज़ोर देकर कहा, 'नहीं' बाद में चाँस नहीं.... घूमना फिरना, और आपस में समझना भी नहीं, फिर तेरा जन्म हुआ। वो अनपढ़ थी ना....। जब तू गर्भ में था, तो उसे दूध बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन उसने तुझे स्वस्थ बनाने के लिए हर दिन नौ महीने तक दूध पिया... क्योंकि वो अनपढ़ थी ना...

तुझे सुबह सात बजे स्कूल जाना रहता था, इसलिए सुबह पांच बजे उठकर तुम्हारा मनपसंद नाश्ता और डिब्बा बनाती थी... क्योंकि वो अनपढ़ थी ना...

जब तुम रात को पढ़ते-पढ़ते सो जाते थे, तो वह आकर तुम्हारी कॉपी व किताब बस्ते में भरकर, फिर तुम्हारे शरीर पर ओढ़ना से ढँक देती थी और उसके बाद ही सोती थी... क्योंकि अनपढ़ थी ना...

बचपन में तुम ज्यादातर समय बीमार रहते थे... तब वो रात-रात भर जागकर वापस जल्दी उठती थी और सुबह का काम पर लग जाती थी.... क्योंकि वो अनपढ़ थी ना...

तुम्हें, ब्रांडेड कपड़े लाने के लिये मेरे पीछे पड़ती थी, और खुद सालों तक एक ही साड़ी पर रहती थी... क्योंकि वो अनपढ़ थी ना....

बेटा, पढ़े-लिखे लोग पहले अपना स्वार्थ और मतलब देखते हैं, लेकिन तेरी माँ ने आज तक कभी नहीं देखा। क्योंकि अशिक्षित है ना वो...

वो खाना बनाकर और हमें परोसकर, कभी-कभी खुद खाना भूल जाती थी... इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि... 'तुम्हारी माँ अशिक्षित है...'

यह सब सुनकर लड़का रोते-रोते और लिपटकर अपनी माँ से बोलता है, 'माँ, मुझे तो कागज पर 90% अंक ही मिले हैं। लेकिन आप मेरे जीवन को 100% बनाने वाली आप पहली शिक्षक हैं।'

'माँ, मुझे आज 90% अंक मिले हैं, फिर भी मैं अशिक्षित हूँ और आपके पास पीएचडी के ऊपर भी उच्च डिग्री है।'

'क्योंकि आज मैं अपनी माँ के अंदर छुपे रूप में, मैं डॉक्टर, शिक्षक, वकील, ड्रेस डिजाइनर, बेस्ट कुक, इन सभी के दर्शन ले लिये...!'

ज्ञानबोध : *प्रत्येक लड़के-लड़की जो अपने माता-पिता का अपमान करते हैं, उन्हें अपमानित करते हैं, छोटे-मोटे कारणों के लिए क्रोधित होते हैं। उन्हें सोचना चाहिए, उनके लिए क्या-क्या कष्ट सहा है, उनके माता पिता ने... !!*

शोक संवेदना

श्री जयेश कुमार जी जैन पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन (महतोली वाले), 17/66, गुजरात हाउसिंग बोर्ड अहमदाबाद का दिनांक 20 जून 2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक, एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती चन्द्रकला जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री चतुर्भुज जी जैन (मुबारिकपुर वाले), का देवलोक गमन दिनांक 19.05.2021 को 95 वर्ष की आयु में हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक, एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

श्री अरविन्द कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री हुकुम चन्द जी जैन, निवासी बडौदा मेव, तह. लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर का देवलोक गमन दिनांक 19.05.2021 को हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्री पवन कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री ज्ञानचन्द जी जैन (दलाल), निवासी मण्डावर, तह. महवा, जिला दौसा का स्वर्गवास दिनांक 17.06.2021 को हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्माओं की सद्गति की प्रार्थना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री कपूर चन्द जी जैन
(स्वर्गवास : 11.07.2001)

स्व. श्री माया देवी जी जैन
(स्वर्गवास : 29.05.2021)

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को जीवन में उतारने को प्रयत्नशील हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
राजकुमार जैन-विमलेश जैन
निर्मल कुमार जैन-चारू जैन
अरविन्द कुमार जैन-सीमा जैन

भाई :
स्व. श्री महावीर प्रसाद जैन
स्व. श्री बंगालीमल जैन
स्व. श्री जिनेशचन्द जैन

पुत्री-दामाद :
मीनू-ओमप्रकाश जैन
मंजू-शान्ति कुमार जैन
नीलम-अरूण कुमार जैन
नीरू-(स्व. प्रवीन कुमार जैन)

पौत्र-पौत्रवधु :
मनोज (रॉबी)-निधी
सिद्धार्थ-सोनल

पौत्र, पौत्री :
यश जैन, शोभित जैन,
मृदुला जैन, पारूल जैन, आर्या जैन
प्रपौत्री : आरना जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
सोनम-प्रसून जैन
साक्षी-रोहित जैन

फर्म :
★ विशम्भर नाथ कपूर चन्द जैन ★ जैन एण्ड कम्पनी
★ आदिनाथ सैल्स ★ लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज
लोहामण्डी, आगरा

निवास : 3-बी, केशव कुंज, प्रताप नगर, आगरा
मो. 9837076377, 9319107071, 9897033749

परम पूज्य पिताजी व माताजी की
पुण्य स्मृति में

स्व. श्री किशन लाल जी जैन

स्व. श्रीमती प्रेमवती जैन

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
रमेश चन्द जैन
निर्मल कुमार जैन-अन्जू जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
सुनील कुमार जैन-कविता जैन
संजय कुमार जैन-बबीता जैन
कपिल जैन-प्रीति जैन
दीपक जैन-रीमा जैन
निशान्त जैन-ईशा जैन

पुत्री-दामाद :
सुशीला देवी जैन
सुमनलता जैन
पुष्पा जैन-सुभाष चन्द पालीवाल

प्रपौत्र-प्रपौत्र वधु :
रचित जैन-निशिका जैन,
ऋषभ जैन-चारू जैन

प्रपौत्र :
सिद्धेश जैन, यश जैन,
रिदिम जैन

प्रपौत्री :
रूची जैन, समायरा जैन

निवास :
21/165, दिल्ली वालों का मकान, धूलियागंज, आगरा
मोबाईल : 9319053527

हमारे प्रेरणा स्त्रोत एवं मार्गदर्शक परम पूज्य

स्व. दीवान श्री मदन लाल जी जैन एवं श्रीमती सरला जैन

की पुण्य स्मृति पर हम सभी परिजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

स्व. दीवान श्री मदनलाल जी जैन
(10.07.2002)

स्व. श्रीमती सरला जी जैन
(19.08.1996)

पुत्र-पुत्रवधु :

महेन्द्र कुमार जैन-लता जैन,
(संगठन मंत्री महासभा)
बसंत कुमार जैन-हिमानी जैन,
मुकेश कुमार जैन-निशा जैन,

मनीष कुमार जैन - अम्बिका जैन,
(महाप्रबंधक जेके लक्ष्मी सीमेन्ट, सिरोही) (पूर्व अध्यक्ष महिला मंडल जयपुर)
ई. नीरज कुमार जैन-रानू जैन *(यू.के.)*,
श्रीमती सुषमा जैन (पत्नी स्व. श्री धीरज कुमार जैन)

पौत्र-पौत्रवधु :

ई. सागर-आकर्षी *(नार्वे)*
ई. शुभम-ई. प्रतिचि

पौत्री-दामाद :

ई. शारूल-ई. अपूर्व *(यू.एस.ए.)*

पौत्र, पौत्री :

ई. सिद्धार्थ, क्षितिज, यशोवर्धन, मीमांशा, प्रीशा, अरहन एवं अनुप्रेक्षा देवम् ***(प्रपौत्र)***

निवास :

ए-12, श्री सुंदर सिंह भंडारी नगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर
39, रेलवे हाऊसिंग सोसायटी, माला रोड, कोटा
बी- आर.के. पुरम, कोटा
मोबाईल : 9413345939, 9785455587

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी जैन (बंगाली बाबू)

(देवलोक गमन : 11.06.2021)

हम सभी परिवारजन आपके देवलोक गमन (दिनांक 11.06.2021) पर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि आपको अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रद्धांजलि

श्रीमती विमला जैन
(पत्नी)

पुत्री-दामाद :
श्वेता-मुकेश जैन
चूनमून-सुरज जैन
ललता-हेमन्त जैन
अनुराधा-चंचल जैन

बहन-जीजाजी :
सरोज
राजुल-नरेश चन्द जी
राजरानी
ऊषा-अनिल कुमार जी

पुत्र-पुत्रवधु :
भुपेन्द्र कुमार जैन-कविता जैन

भाई-भाभी :
राजकुमारी
कुसुमलता-त्रिलोक चन्द
उर्मिला-पवन कुमार
अर्चना-शील कुमार

पौत्र, पौत्री :
मोहित, सोहित, खुशबू

समस्त कोटिया परिवार

निवास स्थान :
जय शिव जनरल स्टोर, मण्डावर महुवा रोड, दौसा-321609
मो.: 7014515453, 9413604988, 9414035417

तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती सावित्री देवी जी जैन

(धर्मपत्नी स्व. श्री कुंजबिहारी लाल जी, टी.टी.)

(जन्मतिथि : 01.01.1934) (स्वर्गवास : 21.07.2018)

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

श्रद्धावनत

अनिल जैन *(पुत्र)*
नरेन्द्र जैन-रश्मि जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
सुनील जैन-नीलम जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
तनमय जैन *(पौत्र)*

सुधीर जैन *(दामाद)*
वीरेन्द्र जैन-पुष्पलता जैन *(दामाद-पुत्री)*

एवं समस्त परिवारजन

निवास

हायर सैकण्डरी स्कूल रोड, गंगापुर सिटी (राजस्थान)
जी-4, मगलायतन, जैन मन्दिर के पास, कोटा जंक्शन कोटा (राज.)
मो.: 9413140264, 8949654191, 7974107393

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	2,500/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- ***पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।***
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

अजीत कुमार जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9413272178

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री चतुर्भुज जी जैन

(मुबारिकपुर वाले)

(स्वर्गवास : 10.08.1991)

स्व. श्रीमती चन्द्रकला जी जैन

(स्वर्गवास : 19.05.2021)

हम सभी परिवारजन आपके अथक परिश्रम, त्याग, धर्मनिष्ठा, कर्तव्य परायणता से स्थापित उच्च आदर्शों को प्रेरणा स्त्रोत मानकर आजीवन निभाऐंगे। हम आप दोनों के यथार्थवादी जीवन को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
शिखर चन्द जैन-त्रिशला जैन
प्रकाश चन्द जैन-कमलेश जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
योगेश जैन-आशा जैन
मुकेश जैन-रेखा जैन
निर्मल जैन-चित्राक्षी जैन
अरूण जैन-डॉ. अनिन्द्या जैन

पुत्री-दामाद :
स्व. श्रीमती राजुल जैन-कंवरपाल जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
रजनी जैन-राजीव जैन
रेखा जैन-गजेन्द्र कुमार जैन
डॉ. मधु जैन-अनन्त जैन

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
अरिहन्त, सिद्धार्थ, सम्यक, यथांश, मौलिक, सौम्या, अनांशी, अद्विका जैन

प्रतिष्ठान :
जैन कटपीस हाउस, जैन नसियां जी, अलवर जैन रेडीमेड एण्ड हौजरी, अलवर

निवास :
83, चेतन एन्क्लेव फेस-II, अलवर
सी-202, एक्सप्रेस ग्रीन्स, सेक्टर-1, वैशाली, गाजियाबाद
मो.: 9460471899, 9414334483, 9870504625, 9560384625

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **हैप्पी जैन** पुत्री श्री नरेश कुमार जैन (कजानीपुर वाले), जन्मतिथि 09.07. 1995 (सायं 12:10, बयाना), शिक्षा– एम.कॉम., जॉब– अकाउन्टेंट, जयपुर, गोत्र : स्वयं– राजौरिया, मामा– नगेसुरिया, संपर्क : सुभाष चौक, वामड़ा कॉलोनी, बयाना, भरतपुर, मो.: 9636573015, 9950978913 *(अप्रेल)*

★ **Amisha Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 31.12.1995 (at 6:15 pm Agra), Height- 5'-2", Education- MBA (Finance) from DEI, Agra, Occupation- Working as Deputy Manager in Bank of Maharashtra (Govt.) Mumbai, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Behteriya, Contact : 2, Mahendra Enclave, Nehru Nagar, Agra, Mob.: 9412158607 *(April)*

★ **Aruna Jain** D/o Sh. Dalchand Jain, DoB 23.5.1990, Height- 5feet, Education- B.Sc., Polytechnic, Job- J.En. RIICO Bharatpur, Gotra : Self- Chaudary, Mama- Barbasia, Contact : E-120, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 9929696969, 05644236422, 9828188470 *(April)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994, (at 7:05 am, Agra), Height- 5'-2", Education- BSc., Diploma in Urban Planning, D.EL.ED (BTC), Prabhakar in Classical Singing, Gotra : Chorbambar, Contact : Mughal road, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9411684569 *(April)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Pankaj Jain, DoB 16.09.1995 (at 9:35 AM, Agra), Height- 5'-1", Education- MBA, Occupation- (HR) Hiyamee Pvt Ltd., Noida, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Salavadia, Contact : M/s. Pankaj Industries, Flat No. 305, IIIrd Floor, Aashirwad Residency, New Vijay Nagar Colony, Agra -282004, Mob.: 9319795225, 9258547100, Email : karanj580@gmail.com *(April)*

★ **Namita Jain** D/o Sh. Naresh Jain, DoB 09.07.1995 (at 12:10 PM), Height- 5'-4", Education- M.Com., Profession- Accountant, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Nangeswariya, Contact : Subhash Chowk, Bamda Colony, Bayana, Bharatpur, Mob.: 9636573015, 9950978913 *(April)*

★ **Shweta Jain** D/o Late Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in GE Vadodara, Pachage 8.5 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(June)*

★ **Pooja Jain** (Manglik) D/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 22.03.1996 (at 5:00 pm, Kota), Height 5'-4", Education- MA, D.E.L.E.D. (BSTC), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Chodbambar, Contact : C/o Deepak Sr. Sec. School, Shivpura, Kota- 324009, Mob.: 9414317362, 9414225917 *(June)*

★ **Anita Jain** (Divorced without encumbrance) D/o Late Sh. Pramod Jain, DoB 13.01.1986 (at 3:32 am), Height 5'-3", Education- BCA, MCA, PGDB, Job- Dy. Manager, HDFC, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Ladhodia, Contact : Mother- 9511518454, Brother- 9712935184 *(June)*

★ **Anjali Jain** D/o Sh. Praveen Chand Jain, DoB 26.07.1993 (at 7:17 am, Hindaun City), Height 5'-3", Complexion Fair & Attractive, Education- MA, B.Ed., Gotra : Self- Bahattariya, Mama- Bayaniya, Contact : Jain Colony, New Mandi, Hindaun City, Mob.: 9460441798 *(June)*

★ **Bharti Jain** D/o Sh. Gulab Chand Jain, DoB 04.06.1996, Height- 5'-3", Education- B.Tech. (EC) NIT Raipur, Occupation- PSU Under Central Govt., Present Posting- Assistant Manager at NTPC (Farakka, West Bengal),Package- 18LPA, Gotra : Self- Belanvasiya, Mama- Behtariya, Contact : C-137, Malviya Nagar, Alwar, Mob.: 8426077674, 7742980739 *(July)*

★ **Nitasha Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 05.07.1993 (at 1:45 am, Shivpuri), Height 5'-4", Fair Complexion, Education- B.Com., MBA (Indore), Gotra : Self- Rajoriya, Mob.:

9425765937, 9993978225, 9926689177 *(July)*

★ **Shipra Jain** D/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 12:30, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Com, JBT, M.Sc., MCA, Occupation- Working in Bank, Gotra : Self- Balanwasia, Mama- Badaria, Contact : 215/3, Gopal Nagar, Gurgaon (Haryana), Mob.: 8802118298, 9015993930, Email : nkjain1012@yahoo.com *(July)*

★ **Diksha Jain** D/o Late Sh. Yogesh Jain, DoB 28.09.1994 (at 10:45 am, Jaipur), Height- 5'-3", Fair Complexion, Sober, Education : B.Com., MBA (HR and Marketing) R.A. Podar Institute of Management, Jaipur, Employment- Akeo Software Solutions Pvt. Ltd Jaipur - A global innovative technology driven company with offices at India & Norway. (HR Generalist) Annual CTC: 4.2 Lakh, Gotra : Self- Danduria, Mama- Barwasiya, Contact : Anita Jain, 86, Magan Villa, Shreevihar Colony, JLN Marg, Jaipur-302018, Mob.: 9829134926, 8560826019, 9828058599, Email: csjain30@yahoo.co.in *(July)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **मोहित जैन** पुत्र श्री नरेंद्र कुमार जैन, जन्मतिथि 16.12.1992 (प्रातः 07.40, रावतभाटा, कोटा), कद 5'–8'', शिक्षा बी.टेक., एमबीए (फाइनेन्स), कार्यरत– जेनपैक्ट जयपुर, पैकेज 6 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– आमेश्वरी, मामा– माईमुण्डा, सम्पर्क : 9352243036, 9414668603 *(अप्रेल)*

★ **अमन जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, जन्मतिथि 31.05.1994, कद– 5'–6'', शिक्षा– बी.टेक, कार्यरत– बैंक ऑफ बड़ौदा पी.ओ. (दिल्ली), गोत्र : स्वयं– बहत्तरिया, मामा– जनुथरिया, संपर्क : जैन मंदिर के पास, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी, जिला करौली, मो.: 9413182980, 8619432566 *(अप्रेल)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री प्रवीण कुमार जैन (दिवर्या), जन्मतिथि 01.02.1993 (रात्रि 10:50, जयपुर), कद– 5'–5'', शिक्षा– बी.टेक (कम्प्युटर साईंस), व्यवसाय– आई.पी. इन्फो, यू.एस.ए. में इंजिनियर (पूणे में कार्यरत), आय– 32 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– दिवर्या, मामा– चौधरी, संपर्क : 255–ए, अमृत नगर, इस्कॉन रोड, जयपुर, मो.: 9785010028, 797688221 *(अप्रेल)*

★ **हनी जैन** पुत्र श्री अजय कुमार जैन, जन्मतिथि 23.02.1994, कद– 5'–8'', शिक्षा– बी.टेक (सिविल), एमबीए हैदराबाद, जॉब– एसेन्चर में कार्यरत, सीटीसी– 41 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– जनुथरिया, मामा– अठवर्षिया, संपर्क : 91/125, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9887032968, 9414052968 *(जून)*

★ **चिराग जैन** पुत्र श्री भारत भूषण जैन, जन्मतिथि 08.06.1988 (रात्रि 11:30 बजे, भरतपुर), कद– 5'–11'', शिक्षा– एम.सी.ए, जौब– नैक ग्लोबल प्रा.लि. सीतापुरा, जयपुर में नेटवर्क ऐडमिनिस्ट्रेटर के पद पर कार्यरत, आय– 5.20 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– मुड़ा, मामा– चौरबमबार, सम्पर्क : 121–122, पशुपतिनाथ नगर, प्रताप नगर, जयपुर, मो.: 8005540739, 9828234847 *(जुलाई)*

★ **आशीष जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, उम्र 28 वर्ष, कद– 5'–8'', शिक्षा– स्नातकोत्तर, व्यवसाय– स्वयं की दुकान, आय– 45 हजार मासिक, गोत्र : स्वयं– सलावदिया, मामा– पदमावती पोरवाल, सम्पर्क : 10, सर्वोत्तम कॉम्पलेक्स, वैशाली अपार्टमेन्ट के पीछे, मनवाखेड़ा रोड, हिरणमगरी, सेक्टर 4, उदयपुर, मो.: 9462191766, 9414720072 *(जुलाई)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain (Bayana Wale), DoB 05.02.1989 (at 9:36 PM, Bayana, Distt Bharatpur), Height- 5'-5", Education- Diploma & B.Tech in Civil from Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodia, Contact : A-95, First Floor, Shri Radha Puram, NH-2 Mathura, Mob.: 7500254444 *(April)*

★ **Ankit Palliwal** S/o Sh. Nirmal Jain, DoB 06.11.1988, Height- 5'-10", Education- M.Sc. in Applied Geographic Information System from National University of Singapore, M.Sc in Economics from Indian Institute of Technology Kanpur, Occupation- Manager, Central Office Union Bank of India , Mumbai, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Kotiya, Contact : 105/119, Vijay Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 8696924329, 9532033922, Email : jain.kr.nirmal@gmail.com *(April)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12am, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com, Occupation- Business, Gotra : Self- Salawadia, Mother- Maimuda, Contact : Jain Readymade and Book Store, Midhakur, Agra, Contact : 9410006648, 8445463430 *(April)*

★ **Sidhant Jain** S/o Sh. Hemant Kumar Jain, DoB 15.12.1993 (at 7:59 pm, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.Pharma (Delhi), MBA (Pharma), Occupation- Working with a reputed Pharma Co., Bombay, Gotra : Self- Barolia, Mama- Angras,

Contact : Motibagh, New Delhi-21, Mob.: 9810190295, 9811428964, Email : hemantkumarjain@ymail.com *(April)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. P.K. Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 pm), Height- 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Xerox, Computer and All Type of Printing, Gotra : Budelwal, Contact : 60, Saraogyan, Bhimsen Mandir Road, Mainpuri-205001 (UP), Mob.: 9411062043, 7417183783, 9634425990 *(April)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. M.C. Jain, DoB 30.09.1992 (at 6:45 am, Alwar), Job- Govt. Job (Nursing Superintendent) Railway (NCR) Allahabad, Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama-Chorbambar, Contact : Kala Kaua, Alwar-301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(April)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Jinesh Jain, DoB 01.05.1986 (at 11:30 am, Rohtak), Height- 5'-8", Education- MBA (Retail Management), Job- Working in Future Retail Limited as Warehouse Manager (SCM) at Noida, CTC Rs. 6 Lac p.a., Gotra : Self- Goel, Mama-Garg, Contact : Khasra No. 871, B Block, Gali No. 24, Phase 1, Road No. 6, Near Kattu shyam Mandir, Shyam Vihar, New Delhi-110043, Mob.: 9210724883, 9268447220 *(April)*

★ **Shreyans Jain** S/o Sh. Bharat Jain, DoB 02.03.1993, Height- 171 cm., Education- B.Tech. IIT Mumbai, Job- Working in Hong Kong in Flow Traders Pte. Ltd., Annual Income above 3.5 crore, Contact : 9414490586, Email : bjain1201@gmail.com *(April)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 05.04.1993 (at 2:20 am, Aligarh), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Electronics & Telecomunication), Job- Consultant at capgemini India Pvt. Ltd. Bangalore, Package 12 LPA, Gotra : Self- Saketia, Mama- Kathotia, Contact : B-4, First Floor, Arihant Apartment, Khirni Gate, Police Chowki, Near Jain Mandir, Aligarh, Mob.: 9411466838, 8433217092, Email : 05siddhartjain@gmail.com *(April)*

★ **Ishan Jain** S/o Sh. Satendra Kumar Jain, DoB 24.11.1993 (at 3:00 pm, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.Tech., MBA, Job- Purchase Manager in Groffer, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Kasmiriya, Contact : 4/158, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9460600748, 9460290624 *(April)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Sudhir Jain, DoB 3.11.1989 (at 10:15 AM, Jaipur), Height 6ft., Education- B.Tech. in Information Technology, Working in UST Global, Package Rs.12 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Salavdiya, Contact : S-37, Vasundhara Colony, Jaipur, Mob.: 9414068656, 8955170916, Email : sudhirjain0@gmail.com *(June)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Babu Lal Jain, DoB 24.05.1992 (at 08:00 PM, Agra), Height- 5'7", Education- B.Tech, Occupation- Manager in Canara Bank, Gandhinagar, Gujarat, Package 8-10 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Deveriya, Contact : 13, Indra Colony, Shahaganj, Agra, Mob.: 9897848561, 0562-4032889 *(June)*

★ **Abhiyank Jain,** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB 14.11.1989, Height 5'- 8", Education- BCA, RedHat Certified System Engineer and Administratior, Cisco Certified Network Associate (USA), Occupation- Working as Technical Support Engineer at Motisons Jewellers, Jaipur, Income 4 LPA, Gotra : Self- Ledoriya, Mama-Chandpuriya, Contact : Swaroop Chand Jain, 962, Kissan Marg, Barkat Nagar, Tonk Phatak, Jaipur, Mob.: 9351537837-Rajesh Jain *(June)*

★ **Tarun Jain** (Manglik), DoB 02.05.1989 (at 09:05 am, Gangapur City), Education- B.Tech (Coumptar & Science), Profession- Self Business in Kota (Patanjali Store), Income 3.5 to 3.75 Lac Per Year, Contact : Sh. Ravindra Kumar Jain, 202, Manak Bhawan, Janakpuri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409 *(June)*

★ **Rahul Jain** (Divorced) S/o Sh. Roopchand Jain, DoB 24.02.1987, Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Electronics), M.Tech. (VLSI), Occupation- Director at Grocient (Software Company), Founder & Director at CSI Project Jaipur, Gotra : Self- Baderia, Mama- Shripath, Income 10-12 LPA, Contact : 182/27, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9782121890, 9887422417 *(June)*

★ **Dr. Anudeep Jain** S/o Sh. Anuj Kumar Jain, DoB 13.09.1992 (at Ajmer), Height- 5'-10", Education- MBBS from JLN Govt. Medical College, Ajmer, Pursuing PG ENT 2nd year from SSG Govt. Medical College, Vadodara, Gujarat, Gotra : Self- Ambia, Mama- Kotia, Contact : "Harsh Villa", Kokil Kunj, Palbeechla, Ajmer, Mob.: 9530292776, 9414004476, 9509968689 *(June)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 06:45 AM, Delhi), Height 5'-11", Education- MCA,Working in an IT MNC - Noida, Salary Rs. 15 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariya, Contact : Flat No. 612, Tower C, Gaur Sports Wood, Sector 79, Noida, Mob.: 9871981382, 9650334767, Email : sjainchand@gmail.com *(June)*

★ **Samay Jain** (Parshav) S/o Sh. Praveen Kumar Jain, DoB 25.07.1993 (at 10:05 am, Ajmer),

Height 5'-8", Education- B.Tech (IIT Kharagpur), Occupation- Product Manager in Gojek Banglore, Package 22-25 LPA, Gotra : Self- Katonia, Mama- Chenia, Contact : 9414709120, Email : jainpk2001@gmail.com *(June)*

★ **Karan Jain** S/o Sh. Tikam Chand Jain, DoB 24.01.1994 (at 7:58 pm, Alwar), Education- B.Com., PG Diploma in Banking & Finance, Job- Relationship Manager in ICICI Bank Alwar, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kalonia, Contact : 316, Arya Nagar, Alwar (Rajasthan), Mob.: 9414367669, 7726884348 *(June)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 17.11.1992 (at Kota), Height 5'-4", Education- BA, ITI (Electrician) from Jodhpur, RS-CIT, Occupation- Business (Mfg. of Paper Cup Products), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Chodbambar, Contact : C/o Deepak Sr. Sec. School, Shivpura, Kota-324009, Mob.: 9414317362, 9414225917 *(June)*

★ **Sohil Jain** S/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 18.06.1992 (at 12:25 pm, Bharatpur), Height 6Ft., Education- B.Com., MBA (Finance), Occupation- Commercial Officer in MNC, Income 5 LPA, Gotra : Self- Muda, Mama- Chaurbabar, Contact : WZ-169, B/2 Lajwanti Garden, New Delhi-110046, Mob.: 9870111728, 8130834538 *(June)*

★ **Sambhav Jain** S/o Sh. Yatendra Kumar Jain, DoB 14.02.1994 (at 8:30 am), Height 5'-7", Education- MBA (Marketing), Working in Muthoot Fincorp Ltd. Agra, Gotra : Self- Kashmiriya, Mama- Rajoriya, Contact : 1, Parasnath Colony, Near Asopa Hospital, Gailana Road, Agra, Mob.: 9719017289, 8477028356, Email : sambhavjain194@gmail.com *(June)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992, Height 5'-5", Education- M.Com., Job- Ware House Supervisor Reliance Jio, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Opp. Rewa Mill, Gangapur City, Swaimadhour, Mob.: 8385836241, Email : jsheetal689@gmail.com *(June)*

★ **Adv. Vivek Jain** S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 30.09.1987, Height 5'-10", Education- Bachelor of Arts (Kota University), Bachelor of Law (Taxation) (University of Raj.), Bachelor of Journalism & Mass Communication, Profession- Working as Income tax & GST Consultant, Gotra : Self- Bahattariya, Mama- Bayaniya, Contact : T.C. Jain & Associates, Behind State Bank of India, Station Road, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 94131-82164, 93521-69379 *(July)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Sh. Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height 5'-8", Education B.Tech (ECE), RS-CIT, Job- Junior Associate SBI Bank Bhavnagar Gujarat), Gotra : Self- Mastang Dangiya chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO Barodakan (Laxmangarh), Dist. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(June)*

★ **Ashish Jain** S/o Late Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height 5'-5½", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Project Engineer in a renowned Construction Co. at Daman, Income-7.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 7742736669, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(June)*

★ **Sharad Jain** S/o Sh. M.M. Jain, DoB 07.02.1989 (at 1:10 am), Height 5'-7", Education- MBA (Marketing), Occupation- Marketing Manager in Infeedo (Gurgaon), Package- 16+ LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Shreepat, Contact : Paharganj, New Delhi, Mob.: 9971398320, 9811681949 *(June)*

★ **Akash Palliwal (Sunny)** S/o Sh. Anil Kumar Palliwal, DoB 10.07.1992, Height 5'-8", Education- B.Tech. (Electrical Engg.), Occupation- Custom Inspector / G.S.T. [Ahmedabad (Gujrat)], Gotra : Self- Kotia, Mama- Nangesuria, Contact : Sh. Anil Kumar Palliwal, Rewa Mill, Nahar Road, Gangapur City-322201 (Raj.),Mob.: 9983629729 *(June)*

★ **Aditya Jain,** S/o Sh. Mukesh Chand Jain "Bhagat", DoB 04.02.1996 (at 7:35 am, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com. (Accounts & Law Group), Occupation- Business of Copper Wire Trading, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kher, Contact : 34, Kalakunj, Bodla, Agra, (M) 987001213, 9411045129 *(June)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm), Height 6'-1", Education- B.Com, M.Com (ABST), MBA (Finance), CA Final (Pursing), Occupation- Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd., Jaipur, Income- 4.90 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact : B-262 Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email : abhijn8@gmail.com *(June)*

★ **Kushal Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 23.12.1991 (at 7:50 am), Height 5'-8", Education- B.Tech (IT), Job- Application Module Lead at Telus International Pvt. Ltd., Noida, Gotra : Self- Kotia, Mama- Garg, Contact : 29, Prem Anand Kunj Brij Bihar Colony, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9897717596, 6395524546, Email : vinodkumarjainagra@gmail.com,

kushal.jain63@gmail.com *(June)*

★ **Anurag Jain** (Manglik) S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 11.04.1994 (at 05:39 pm, Alwar), Height 5'-6", Education- B.Tech (Civil), Occupation- Technical Officer at Udaipur Cement Works Ltd., Alwar, Gotra : Self- Maleshwaria, Mama- Chandpuria, Contact : Thakar Wala Kuan, Near Police Line, Alwar, Mob.: 9252940625, 7568704495 *(June)*

★ **Manoj Kumar Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 01.12.1989 (at Bhaisa), Height 5'-6", Education- Graduation & ITI, Occupation- Business (Jain Building Material, Jain Kirana Store), Income 5 LPA, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Belanwasiya, Contact : VPO Bhaisa, Tehsil Todabhim, Dist. Karauli, Mob.: 8949492270, 9784900903 *(June)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Ram Niwas Jain, DoB 23.11.1995, Height 5'-8", Education- B.Tech (Electrical), Occupation- Owner of Anand Rubber Industry, Bagru, RIICO Jaipur, Gotra : Self- Bahatariya, Mama- Vaid Vahameria, Contact : *E-13, Mohan Nagar, Hindaun City, *67, Monika Vihar, Behind Maharani Garden, Mansarovar Extension, Jaipur, Mob.: 9460913052, 9664112675 *(June)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. S.C. Jain, DoB 29.01.1981 (at 10:20 am, Agra), Height 5'-9", Education- Graduate, LLB, Occupation- Lawyer, Practice in Civil Court, Agra & Panel Advocate of Banks, Income 30,000 per month, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Javeria, Contact : 18/260, Munni Bhawan, Maithan, Agra-282003, Mob.: 9319821191, 8979247501, 0562-2620070 *(June)*

★ **Devanshu Jain** S/o Sh. Pankaj Jain, DoB 18.10.1994, Height 6'-2", Education- MS (Computer) from USA, Occupation- Software Engineer at YouTube, Google California, USA, Package- US $ 2.5 LPA approximately, Strictly Vegetarian and Non Alchoholic boy with good family values, Gotra : Self- Angras, Jaiswal, Mama-Mangoliya, Khandelwal; Contact : Dwarka, New Delhi, Mob.: 9313586222, 9717052226, Email : ydjain2318@gmail.com *(July)*

★ **Shivin Jain** S/o Dr. Raj Kumar Jain, DoB 16.11.1991 (at 9:51 pm, Moradabad, U.P.), Height- 5'-6", Education- B.Tech with Honours (Civil Engg.) from Y.I.T. Jaipur, Working in Parental Real Estate Business, Pearl Group, Jaipur, Gotra : Self- Sangeswaria, Mama- Kotia, Contact : Dr. Raj Kumar Jain, B-78/602, Pearl Passion, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur, Mob.: 9414054745, 9929769939. Email : rkjainpearl@gmail.com *(July)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height- 5'-7", Education- B.Tech., M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Analytics, Boston Consulting Group Gurugram, Package- 18.5 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama-Sagarwasiya, Contact : Sh. Arvind Kumar Jain, D-72 H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(July)*

★ **Rohit Kumar Jain** S/o Sh. Gyanchand Jain, DoB 28.11.1994 (at 7:00 AM, Bharatpur), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Tech from NIT Kurukshetra, Working as Consultant in HCL Technologies, Noida, Income 13 LPA, Gotra : Self- Khair, Mama- Salawadia, Contact : 9460737358, 7976360536, 9079250256, Email : rohitsonu33@gmail.com *(July)*

★ **Abhinav Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 22.12.1994 (at 7:53 am, Agra), Height- 5'-6", Education- B.Sc., Job- Assistant Manager in Aryavart Bank, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Kotia, Contact : Balaji Puram, Shahganj, Agra, Mob.: 9319213080 *(July)*

★ **CA Gaurav Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 25.05.1995 (at 9:22 PM Kherli, Alwar), Height- 5'-11", Education- Chartered Accountant, Occupation- Mgmt. Trainee, Genpact, Gurugram, Income- 8 LPA, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Chaudhary, Contact : 92-F1, Arjun Nagar North, Jaipur, Mob.: 9414856933, 9468598216 *(July)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 22.07.1992 (at Agra), Height 5'-5", Education- M.Com, Occupation- Working as Sr. Accountant with Taj Vilas in Agra and drawing 3+ LPA, Gotra : Self- Januthariya, Mama- Baebare, Contact : 37/472, Nagla Padi, Dayal Bagh, Agra, Mob.: 9219219655, 7906973116 *(July)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.06.1985 (at1:22 pm, Ajmer), Height 5'-8", Education- M.Com., MBA, Occupation- Working as a State Head at Manba Finance Ltd. Co., Jaipur, Income- 10.50 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9983444198 (W), 9829818894 *(July)*

★ **Anant Kumar Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.07.1998, Height- 5'-5", Education- B.A pursuing, Occupation- Business (Grain Merchant), Contact : Nahar Road, Opp. Vikash Marriage Home, Gangapur City (Sawai Madhopur), Mob.: 9414551964, 8078695264 *(July)*

★ **Ajit Jain**, S/o Late Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 27.06.1990 (at 3:55 PM, Bharatpur), Height- 5'-

10", Education- B.Tech (VIT, Vellore), Presently Working as Assistant Manager in Canara Bank, Bayana, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Borandangya, Contact : Smt. Pushpa Jain, Bharatpur (M) 9785122157, Ashwani Jain, Bharatpur (M) 6350427579 *(July)*

- ★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Davendra Kumar Jain, DoB 15.06.1988 (at 7:09 am, Alwar), Height- 5'-7", Education- Diploma (Mech. Engg.), Service- Engineer in a Company Alwar, Package- 3 LPA, Gotra : Self- Balanvasia, Mama- Ladodia, Contact : Sh. Davendra Kumar Jain, Harsana, Alwar, Mob.: 8802118298, Email : rohit_jain1012@rediffmail.com, nkjain1012@yahoo.com *(July)*
- ★ **Shubham Jain** (Manglik) S/o Sh. Subhash Jain, DoB 25.06.1995 (at 4:20 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Com., PGDM from RIIMS, Pune, Occupation- Working in FMCG Company at Jaipur, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Badwasiya, Contact : Sh. Subhash Jain, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9414073201 *(July)*
- ★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Girish Chand Jain, DoB 08.03.1988 (at 2:05 pm, Agra), Height 5'-4", Fair Complexion, Education- B.Com., Occupation- Business, Income : 3 LPA, Gotra : Self- Danduriya, Mama- Barwasia, Contact : 1320, LIG, Sector-7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra, Mob.: 8410820442, 9897232561 *(July)*
- ★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 5:00 pm), Height- 5'-9", Educatio M.Com from IGNOU, Occupation- Working in Magic Auto Pvt Ltd. (Maruti Authorised Dealership) as a Team Manager, Package- 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98B, 1st Floor, Gali No. 6, Near Shyam Mandir Rajnagar Part-II, Palam Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(July)*
- ★ **Mehul Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 31.07.1995 (at Jaipur), Height- 5'-7", Education- B.Tech (Computer Science) SRM University Chennai, Occupation : System Engineer at Mekari, Bengaluru, Salary : 16LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Rajoria, Contact : 658, Mahaveer Nagar, Landmark Pooja Tower, Gopalpura Bypass, Jaipur, Mob.: 9928070403 *(July)*
- ★ **Dikshant Jain** S/o Sh. Alok Jain, DoB 01.07.1994 (at 06:10 pm, Jaipur), Height- 6'-1", Wheatish Complexion, Education- B.Com., LL.B, DTL, Profession- Advocate, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Barwasiya, Contact : 14, Ganga Path, Suraj Nagar (W), Civil Lines, Jaipur, Mob.: 9828115123, 9828012523, Email : alokad67@rediffmail.com *(July)*

'बंद मुट्ठी सवा लाख की'

यह कहावत हमने बचपन से सुनी है मुहावरे के रूप में, तो आज, कहावत कैसे शुरू हुई, इसकी कहानी जानते हैं।

एक समय, एक राज्य में राजा ने घोषणा की कि वह राज्य के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए अमुक दिन जाएगा। इतना सुनते ही मंदिर के पुजारी ने मंदिर की रंग रोगन और सजावट करना शुरू कर दिया, क्योंकि राजा आने वाले थे। इस खर्चे के लिए उसने रु. 6000/- का कर्ज लिया।

नियत तिथि पर राजा मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे और पूजा अर्चना करने के बाद आरती की थाली में 'चार आने' दक्षिणा-स्वरूप रखे और अपने महल में प्रस्थान कर गए।

पूजा की थाली में चार आने देखकर पुजारी बड़ा नाराज हुआ, उसे लगा कि राजा जब मंदिर में आएंगे तो काफी दक्षिणा मिलेगी पर... चार आने।

बहुत ही दुखी हुआ कि कर्ज कैसे चुका पाएगा, इसलिए उसने एक उपाय सोचा।

गांव भर में ढिंढोरा पिटवाया की राजा की दी हुई वस्तु को वह नीलाम कर रहा है। नीलामी पर उसने अपनी मुट्ठी में 'चार आने' रखे, पर मुट्ठी बंद रखी और किसी को दिखाई नहीं।

लोग समझे की राजा की दी हुई वस्तु बहुत अमूल्य होगी, इसलिए बोली रु. 10,000/- से शुरू हुई।

रु. 10,000/- की बोली बढ़ते-बढ़ते रु. 50,000/- तक पहुंची और पुजारी ने वो वस्तु फिर भी देने से इनकार कर दिया। यह बात राजा के कानों तक पहुंची। राजा ने अपने सैनिकों से पुजारी को बुलवाया और पुजारी से निवेदन किया कि वह मेरी वस्तु को नीलाम ना करें, मैं तुम्हें रु. 50,000/- की बजाय 'सवा लाख रुपए' देता हूं और इस प्रकार राजा ने सवा लाख रुपए देकर अपनी प्रजा के सामने अपनी इज्जत को बचाया।

तब से यह कहावत बनी 'बंद मुट्ठी सवा लाख की' यह मुहावरा आज भी प्रचलन में है।

अच्छे लोगों के साथ ही बुरा क्यों होता है

यह सवाल कई लोगों के मन में आता होगा, मैंने तो किसी का बुरा नहीं किया, फिर मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ। मैं तो सदैव ही धर्म और नीति के मार्ग का पालन करता हूँ, फिर मेरे साथ हमेशा बुरा क्यों होता है। ऐसे कई विचार अधिकांश लोगों के मन मे आते होंगे। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने दिए हैं।

एक बार अर्जुन, नारायण श्रीकृष्ण से पूछते हैं कि, 'हे वासुदेव! अच्छे और सच्चे लोगों के साथ ही बुरा क्यों होता है।' इस पर नारायण श्री कृष्ण ने एक कहानी सुनाई। इस कहानी में हर मनुष्य के सवालों का जवाब वर्णित है।

श्रीकृष्ण कहते हैं कि एक नगर में दो पुरूष रहते थे। पहला व्यक्ति जो बहुत ही अच्छा इंसान था, धर्म और नीति का पालन करता था, भगवान की भक्ति करता था और मन्दिर जाता था। वह सभी तरह के गलत कामों से दूर रहता था। वहीं दूसरा व्यक्ति जो कि दुष्ट प्रवृत्ति का था, वो हमेशा ही अनीति और अधर्म के काम करता था। वो रोज़ मन्दिर से पैसे और चप्पल चुराता था, झूठ बोलता था और नशा करता था। एक दिन उस नगर में तेज बारिश हो रही थी और मन्दिर में कोई नहीं था, यह देखकर दूसरे उस नीच व्यक्ति ने मन्दिर के सारे पैसे चुरा लिए और पुजारी की नज़रों से बचकर वहाँ से भाग निकला, थोड़ी देर बाद जब वो पहला व्यक्ति दर्शन करने के उद्देश्य से मन्दिर गया तो उस पर चोरी करने का इल्ज़ाम लग गया। वहाँ मौजूद सभी लोग उसे भला-बुरा कहने लगे, उसका खूब अपमान हुआ। जैसे-तैसे करके वह व्यक्ति मन्दिर से बाहर निकला और बाहर आते ही एक गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। वो व्यक्ति बुरी तरह से चोटिल हो गया। इसी वक्त मन्दिर से दूर भागते समय उस दुष्ट व्यक्ति को एक नोटों से भरी पोटली हाथ लगी, इतना सारा धन देखकर वह दुष्ट खुशी से पागल हो गया और बोला कि आज तो मज़ा ही आ गया। पहले मन्दिर से इतना धन मिला और फिर ये नोटों से भरी पोटली। दुष्ट की यह बात सुनकर पहला व्यक्ति दंग रह गया।

उसने घर जाते ही घर में मौजूद भगवान की सारी तस्वीरें निकाल दी और भगवान से नाराज़ होकर जीवन बिताने लगा। सालों बाद जब उन दोनों की मृत्यु हो गयी और दोनों यमराज के सामने गए तो उस व्यापारी ने नाराज़ स्वर में यमराज से प्रश्न किया कि मैं तो सदैव ही अच्छे कर्म करता था, जिसके बदले मुझे अपमान और दर्द मिला और इस अधर्म करने वाले दुष्ट को नोटों से भरी पोटली, आखिर क्यों?

उसके सवाल पर यमराज बोले जिस दिन तुम्हारे साथ दुर्घटना घटी थी, वो तुम्हारी ज़िन्दगी का आखिरी दिन था, लेकिन तुम्हारे अच्छे कर्मों की वजह से तुम्हारी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गयी।

वहीं, इस दुष्ट को जीवन में राजयुग मिलने की सम्भावनाएं थी, लेकिन इसके बुरे कर्मों के चलते वो राजयोग एक छोटे से धन की पोटली में बदल गया।

श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'भगवान हमें किस रूप में दे रहे हैं, ये समझ पाना बेहद कठिन होता है। अगर आप अच्छे कर्म कर रहे हैं और बुरे कर्मों से दूर हैं, तो भगवान निश्चित ही अपनी कृपा आप पर बनाए रखेंगे।'

जीवन में आने वाले दुखों और परेशानियों से कभी ये न समझें कि भगवान हमारे साथ नहीं है, हो सकता है आपके साथ और भी बुरा होने का योग हो, लेकिन आपके कर्मों की वजह से आप उनसे बचे हुए हों।

तो ये थी नारायण श्रीकृष्ण द्वारा बताई गई एक रोचक कहानी, जिसमें मनुष्यों के अधिकांश सवालों के उत्तर मौजूद हैं।

जीवन का ये खेल निराला

संघर्षों को मैंने पाला,
या संघर्षों ने मुझको पाला।
समझ नहीं पाई अब तक मैं,
जीवन का ये खेल निराला।

मन मेरा जब-जब यहां टूटा,
अंधकार ने मुझको घेरा।
झट से आशा की किरणें आई,
साथ में लाई नया सवेरा।

उम्मीदों को मैंने पाला,
या उम्मीदों ने मुझको पाला।
समझ नहीं पाई अब तक मैं,
जीवन का ये खेल निराला।

पर पीड़ा से हरदम पिघली मैं
जाने क्यूं ऐसा होता है।
रिश्ता नहीं था मेरा फिर भी,
दिल मेरा क्यूं रोता है।

मानवता को मैंने पाला,
या मानवता ने मुझको पाला।
समझ नहीं पाई अब तक मैं,
जीवन का ये खेल निराला।

जिद्दी मैं कहलाती थी कभी,
अब समझौते करती हूं।
रिश्तों की पगडंडी पर अब,
संभल-संभल कर चलती हूं।

प्रेम,त्याग को मैंने पाला ,
या प्रेम, त्याग ने मुझको पाला।
समझ नहीं पाई अब तक मैं,
जीवन का ये खेल निराला।

-सुनीता जैन 'सुनीति'
व्याख्याता, भरतपुर

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

BIMAL CHAND JAIN
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Bimal Jain - 09837253305
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Your perfect home is now
at a landmark address.

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

16 Smart Home 3 BHK Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

If Undelievered, please return to

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी – अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।